कृष्ण पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 214 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 जनवरी 2025 बुधवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भीड़ में कुचलकर तड़पते रहे लोग, पुलिसकर्मियों ने दिया सीपीआर, सीएम योगी की मोदी से तीन बार बात

प्रयागराज में पांच करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु जमा

मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में भगदड़ कई मौतें, हेलीकॉप्टर से हो रही निगरानी

प्रयागराज, एजेंसी

आज तड़के संगम तट पर जबर्दस्त भगदड़ मच गई। इसमें अब तक 14 से अधिक लोगों की मौत की खबर है। जबकि 50 से ज्यादा घायल हैं। स्वरूपरानी अस्पताल में शव पोस्टमॉर्टम के लिए लाए गए हैं। हालांकि, प्रशासन ने मौत या घायलों की संख्या को लेकर कोई जानकारी नहीं दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों से अपील की है कि वे जिस गंगा घाट के नजदीक हों वहीं स्नान करें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें। उधर भगदड़ के बाद प्रशासन के अनुरोध पर सभी 13 अखाड़ों ने आज मौनी अमावस्या का अमृत स्नान रद्द कर दिया। इसके बाद अखाड़ों ने बैठक की इसमें तय हुआ कि अमृत स्नान बाद में प्रतीकात्मक किया जाएगा। उधर पीएम नरेंद्र मोदी ने योगी से तीन बार फोन पर बात की और घटना की जानकारी ली। अब अफसर हेलिकॉप्टर से महाकुंभ की निगरानी कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक अफवाह के चलते संगम नोज पर सबसे पहले भगदड़ मची। कुछ महिलाएं जमीन पर गिर गईं और लोग उन्हें कुचलते हुए निकल गए। हादसे के बाद सत्तर से ज्यादा एंबुलेंस संगम तट पर पहुंचीं। इनसे घायलों और मृतकों को अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद संगम तट पर एनएसजी कमांडो ने मोर्चा संभाल लिया। संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी गई। भीड़ और न बड़े, इसलिए प्रयागराज शहर में भी श्रद्धालुओं के आने पर रोक लगा दी गई है। इसके लिए शहर की सीमा से सटे जिलों में प्रशासन को मुस्तैद कर दिया गया है। चूंकि आज महाकुंभ में मौनी अमावस्या का स्नान है, जिसके चलते करीब पांच करोड़ श्रद्धालुओं के शहर में मौजूद होने का अनुमान है। प्रशासन के मुताबिक, संगम समेत 44 घाटों पर देर रात तक 8 से 10 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान है। इससे एक दिन पहले यानी मंगलवार को साढ़े 5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। पूरे शहर में सुरक्षा के लिए 60 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर आज दूसरा अमृत स्नान हो रहा है। भगदड़ के बाद अखाड़ों ने बड़ा फैसला लेते हुए प्रतीकात्मक अमृत स्नान किया गया। पहले तय हुआ कि अमृत स्नान त्यागा जाए मगर बाद में अखाड़ा परिषद ने कहा कि आचार्य, महामंडलेश्वर चुनिंदा संतों के साथ जाएंगे और सांकेतिक स्नान करेंगे, क्योंकि देवताओं को भी स्नान कराने की परंपरा है।

क्या है संगम नोज: दरअसल, संगम नोज नाम इस जगह की आकार की वजह से पड़ा है. प्रयागराज में इस संगम नोज को स्नान के लिए सबसे अहम जगह मानी जाती है. कहा जाता है कि यहीं पर यमुना और मिथकीय नदी सरस्वती गंगा से मिलती है। ज्यादातर साधु-संत इसी जगह पर स्नान करते हैं। श्रद्धालु भी इसी जगह पर स्नान को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। संगम नोज के क्षेत्र को हर बार बढ़ाया भी जाता है। 2019 की तुलना में इस बार भीड़ को देखते हुए संगम नोज के क्षेत्र को बढ़ाया गया था। जानकारी के अनुसार, पहले यहां ऐसी व्यवस्था की गई थी कि हर घंटे यहां 50 हजार लोग स्नान कर सकते थे। इस बार महाकुंभ में हर घंटे 2 लाख लोगों के स्नान करने की तैयारी की गई। अब तक जो जानकारी सामने आई उसमें कहा गया कि भारी संख्या में लोग संगम नोज पहुंचना चाह रहे थे। जिसके चलते स्थिति

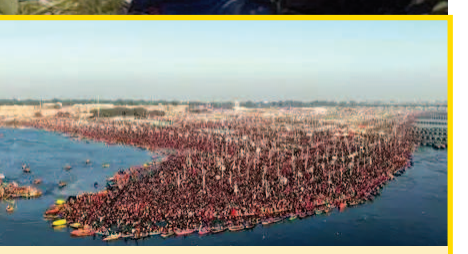

यह है संगम नोज, जहां हर श्रध्दालु डुबकी लगाना चाहता है और भगदड़ का कारण भी यही माना जा रहा है।

नियंत्रण से बाहर हुई और भगदड़ मच गई। लेकिन प्रशासन ने फिर कई रास्तों को खोला व भीड़ को डायवर्ट किया।

अब वसंत पंचमी पर स्नान करेगा अखाड़ा: इस पूरे घटनाक्रम के बाद पंचायती निरंजनी अखाड़े ने ऐलान किया कि अब बसंत पंचमी पर स्नान किया जाएगा। हालांकि, अखाड़ा परिषद की तरफ से यह भी कहा गया है कि भीड़ छंटने के बाद स्नान करेंगे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने ऐलान किया है कि अखाड़े भीड़ छंटने के बाद अब स्नान के लिए पहुंचेंगे।

राहुल-खरगे ने कहा वीआईपी कल्चर व बदइंतजामी से हादसा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाकुंभ में भगदड़ के कारण मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि आगे ऐसी स्थिति ना बने इसके लिए वीआईपी संस्कृति को रोकने की जरूरत है। खरगे ने कहा, च्महाकुंभ के दौरान, तीर्थराज संगम के तट पर हुई भगदड़ से कई लोगों की जान गई है और अनेकों लोगों के घायल होने का समाचार बेहद हृदयविदारक है। श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएँ और घायलों के शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ की हम कामना करते हैं। उन्होंने कहा, च्आधी अधूरी व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट, प्रबंधन से ज़्यादा स्व प्रचार पर ध्यान देना और बदइंतजामी इसके के लिए ज़िमेदार है। हजारों करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद ऐसी व्यवस्था होना निंदनीय है। अभी कई महत्वपूर्ण शाही स्नान बचे हैं, तो केंद्र और राज्य सरकारों को अब चेत जाना चाहिए, और व्यवस्था को सुधारना चाहिए ताकि आगे ऐसी अप्रिय घटनाएँ न हों। श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा व मूवमेंट आदि की व्यवस्था में विस्तार करना चाहिए और वीआईपी मूवमेंट पर लगाम लगानी चाहिए। यही हमारे साधु संत भी चाहते हैं।''

संपर्कों-सूचियों व सोने का संजाल खोजने की कोशिश

लोकायुक्त संगठन कर रहा सौरभ, शरद व चेतन से सच जानने का प्रयास

भोपाल दोपहर मेट्रो।

आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल व कारोबारी सौरभ शर्मा व उसके करीबी दोस्त और बिजनेस पार्टनर शरद जायसवाल से पूछताछ जारी है। सौरभ को चार फरवरी तक रिमांड पर लिया गया है। अब लोकायुक्त की टीम शरद को भी कोर्ट में पेश कर रिमांड पर ले सकती है। माना जा रहा है कि पुलिस को गुमराह करने शरद स्वयं को बेकसूर बता रहा है। सौरभ ने उसके दस्तावेजों को इस्तेमाल कर संपत्तियां खरीदी हैं। वह केवल सौरभ के रेस्टोरेंट, होटल का बिजनेस देखता था। लोकायुक्त की टीम आरोपी सौरभ, शरद और चेतन का आमना-सामना भी कराने की तैयारी में है। जांच में अभी कई बातें साफ की जाना हैं, जिनमें सबसे बडा सवाल यह है कि कम समय में सौरभ और उसके सहयोगियों ने इतनी बड़ी मात्रा में धन कैसे अर्जित किया? काली कमाई को सोने चांदी की सिल्लियों में कैसे कन्वर्ट कराया? अवैध नाकों से खुलेआम वसूली के खेल में और कौन-कौन प्रभावी लोग सहयोगी रहे हैं और इस कमाई का हिस्सा कहां और किस तक जाता था। कहा जाता है कि सौरभ के प्रभाव में आकर तबादला सूचियां भी जारी होती थीं। सौरभ कह चुका है कि पकडा गया भारी मात्रा में सोना उसका नहीं है तो सोने का राज भी खोलना पुलिस की चुनौती है। उल्लेखनीय है कि भोपाल की लोकायुक्त कोर्ट में बीती शाम सौरभ को पेश किया गया था। तब सौरभ के वकील राकेश पाराशर व चेतन के वकील हरीश मेहता और विशेष लोक अभियोजक विवेक गौड़ के बीच बहस का दौर चला। शाम 7 बजे कोर्ट ने सौरभ को 4 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया।

मलबे से दो दिन बाद जिंदा निकले चार लोग

नईदिल्ली, एजेंसी

जाको राखे साईया मार सके ना कोय वाली कहावत फिर चरितार्त हुई है। बुराड़ी इलाके के कौशिक एंक्लेव में चार मंजिला मकान गिरने के बाद एक परिवार के चार लोगों को दो दिन बाद मलबे से सही हालत में निकला गया है। दंपति और उनके दो बच्चे फिलहाल ठीक है। उनको जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है। दरअसल, एक सिलेंडर और लेटर के बीच बने स्पेस में परिवार ने किसी तरह दो दिन काटे, मंगलवार रात तीन बजे बचाव दल ने इनको सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सोमवार शाम चार मंजिला इमारत के जमींदोज होने से दो नाबालिग बहनों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। राहत और बचाव कार्य के दौरान मंगलवार को इनके शव मलबे से निकाले गए। इससे पहले हादसे में घायल 12 लोगों का एलएनजेपी, ट्रामा सेंटर और बुराड़ी के सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

सीएम यादव ने बुद्ध मंदिर में किए दर्शन, उद्योगपतियों संग मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने जापान प्रवास के दूसरे दिन आज भगवान बुद्ध के एक मंदिर में दर्शन किए। डॉ. यादव ने मंदिर दर्शन के बाद कहा कि उन्हें जापान यात्रा के दूसरे दिन टोक्यो में सेंसोजी मंदिर में भगवान बुद्ध के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ व्यापारिक दृष्टि से दोनों देश एक-दूसरे के साथ मजबूती से खड़े रहें, यही मंगल कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म को हिंदुस्तान से लेकर दुनिया भर में फैलाया। उन्होंने अहिंसा समेत अपने सभी विचार दुनिया भर में प्रसारित किए। गौतम बुद्ध को भगवान विष्णु का ही अवतार माना गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान यात्रा के दौरान वे सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर रहे हैं, ताकि मप्र में निवेश बढ़े

और राज्य के युवाओं को रोजगार प्राप्त हो। सीएम यादव आज टोक्यो में उद्योगपतियों से मप्र में निवेश लाने की तमाम संभावनाओं पर मशक्कत कर रहे हैं। सीएम ने टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन के तोशियूकी नाकाहारा महाप्रबंधक, प्रशासन एवं समर्थन विभाग, इंडिया और मिडिल ईस्ट डिवीजन और मासाहिरो नोगी परियोजना महाप्रबंधक, प्रशासन एवं समर्थन विभाग, इंडिया और मिडिल ईस्ट डिवीजन के साथ व्यापारिक संभावनाओं के निवेश के अवसरों पर चर्चा की है।

चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप लगाने वाली कनाडाई जांच रिपोर्ट को भारत ने खारिज किया

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत ने आज कनाडा के विदेशी-हस्तक्षेप जांच आयोग की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें उसके चुनावों में भारत के हस्तक्षेप का आरोप लगाया गया था और भारत के आंतरिक मामलों में लगातार हस्तक्षेप करने के लिए ओटावा की आलोचना की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत के मामलों में कनाडा के हस्तक्षेप ने अवैध प्रवासन और संगठित अपराध का माहौल बनाया है। बयान में कहा गया, च्हमने कथित हस्तक्षेप पर कथित गतिविधियों के बारे में एक रिपोर्ट देखी है। दरअसल कनाडा ही भारत के आंतरिक मामलों में लगातार दखल देता रहा है।'' इसने अवैध प्रवासन और संगठित आपराधिक गतिविधियों के लिए भी माहौल तैयार किया है।'' हम भारत पर रिपोर्ट के आक्षेपों को अस्वीकार करते हैं और उ मीद करते हैं कि अवैध प्रवासन को सक्षम करने वाली सहायता प्रणाली को आगे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' कनाडा के विदेशी हस्तक्षेप जांच आयोग की 2019 और 2021 के चुनावों में संदिग्ध विदेशी हस्तक्षेप पर रिपोर्ट में भारत सरकार पर च्संघीय चुनाव में तीन राजनीतिक दलों के विशिष्ट उ मीदवारों को गुप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने'' के लिए प्रॉक्सी एजेंटों का उपयोग करने का संदेह है।

मेट्रो एंकर मप्र में 13.5 फीसदी लड़कों और महज 13.5 फीसदी बेटियों के पास अपना स्मार्टफोन

स्मार्टफोन दिलाने में बेटे व बेटी में भेदभाव !

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (असर) 2024 में सामने आया आंकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के 14-16 आयु वर्ग के 87 फीसदी बच्चों के घर में स्मार्टफोन है। 79.4 फीसदी प्रयोग करना जानते हैं, जिसमें 75.6 फीसदी बेटियां तो 83.9 फीसदी लड़के हैं। इसमें भी 26.2 फीसदी लड़कों और महज 13.5 फीसदी बेटियों के पास अपना स्मार्टफोन है। इसका अर्थ है कि स्मार्टफोन दिलवाने में अभिभावक बेटे और बेटी में भेदभाव करते हैं। यह आंकड़ा वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (असर) 2024 में सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, 62 फीसदी से अधिक बच्चे सेफ्टी फीचर्स का इस्तेमाल कर पाते हैं। इसमें 62.6 प्रतिशत बच्चे प्रोफाइल ब्लाक, रिपोर्ट करना जानते हैं। वहीं 56 प्रतिशत बच्चों को प्रोफाइल प्राइवेट करना आता है। 60.8 बच्चों को पासवर्ड बदलना आता है। 71.5 प्रतिशत बच्चों को अलार्म लगाना, 80.8 प्रतिशत ऑनलाइन जानकारी खोजना, 84 यूट्यूब इस्तेमाल करना और 90 फीसदी बच्चे वीडियो सर्च करने के साथ इसे साझा भी कर पाते हैं। बताया जाता है

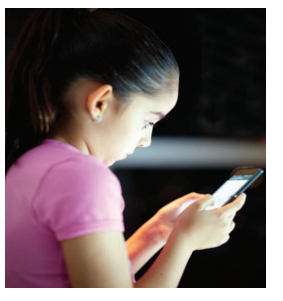

कि प्रथम संस्था की ओर से द एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) 2024 जारी की गई है। संस्था द्वारा मप्र सहित देश भर के 26 राज्यों के 605 ग्रामीण जिलों के 17 हजार 997 गांवो में 6 लाख 49 हजार 491 बच्चों पर यह सर्वे किया गया है। जिसमें 3 वर्ष से लेकर 16 वर्ष तक बच्चों को शामिल किया गया। मप्र के 50 जिलों के 1432 स्कूलों का दौरा किया गया। वहीं 59 हजार 53 बच्चों को इसमें शामिल किया गया है।

75.1 प्रतिशत स्कूलों में खेल मैदान: रिपोर्ट में सामने आया है कि, प्रदेश के स्कूलों में खेल के मैदान की उपलब्धता भी बड़ी है।ड़2010 में जहां 61.1 प्रतिशत, 2018 में 69.2 प्रतिशत, 2022 में 74.2 प्रतिशत स्कूलों में मैदान थे, 2024 में संख्या बड़कर 75.1 प्रतिशत हुई है। हर सप्ताह शीरीरिक शिक्षा के मामले में भी 71.4 से बड़कर 79.9 फीसदी आंकड़ा पहुंचा है। हालांकि खेल उपकरण की उपलब्धता में 2022 के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई है। 2022 में आंकड़ा 81.8 फीसदी व 2024 में 69.7 फीसदी उपलब्धता दर्ज की गई है। मप्र के स्कूलों में 62.4 फीसदी स्कूलों में चारदीवारी है। 2010 के मुकाबले यह संख्या लगभग दोगुनी है। वहीं छात्र-शिक्षक अनुपात जहां 2022 में 54.1 प्रतिशत था, वह अब 2024 में 60.7 है। कक्षा-शिक्षक अनुपात 2022 में 64.6 प्रतिशत था, वहीं अब 70.4 फीसदी है। 2010 के मुकाबले स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालयों की संख्या में इजाफा हुआ है।

विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति में इजाफा

रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के स्कूलों में नामांकन, विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति में इजाफा हुआ है।ड़जहां 2010 में प्रदेश में 2018 में 55.8, 2022 में 56.8 और 2024 में 57.8 प्रतिशत नामांकन पहुंचा है।ड़वहीं शिक्षकों की उपस्थिति के मामले में 2010 के आंकड़ो पाते हुए 2024 में 87.9 उपस्थिति दर्ज की गई है.जबकि 2018 में स्थिति 85.7 एवं 2022 में 85.1 फीसदी रही है।

लोकरंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रविंद्र भवन के मुक्ता काश मंच पर लोक रंग में प्रस्तुतियां हुई। - फोटो निर्मल व्यास

प्रयागराज जाने लोगों में जबरदस्त उत्साह, आवागमन के साधन पड़ने लगे कम

महाकुंभ की ओर.. रेलगाड़ियां-फ्लाइट फुल, बसों का किराया आधा लाख तक पहुंचा!

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इस समय प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर ट्रेनें और फ्लाइट फुल हो चुकी हैं। आज मौनी अमावस्या होने से भी बीते दो दिन से राजधानी व आसपास के लोगों में प्रयागराज तक पहुंचने की आपाधापी रही। इस वक्त शहर में टैक्सी और ट्रैवलर की डिमांड भी जबरदस्त है। ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि भारी बुकिंग के चलते छोटी कारें, इनोवा जैसी एसयूवी और ट्रैवलर की मांग अगले कुछ दिनों के लिए लगातार बनी हुई है। वहीं इंडिगो की भोपाल से रायपुर होकर जाने वाली प्रयागराज फ्लाइट में 15 फरवरी तक बुकिंग नहीं है। बीच के एक-दो दिनों में 22 हजार रुपए में केवल एक-दो सीट पर ही बुकिंग मिल रही है। ट्रैवल एजेंसी संचालकों का मानना है कि अभी बुकिंग को देखते हुए यदि सीधी फ्लाइट चला दी जाए, तो 25 फरवरी तक काफी संख्या में दोनों तरफ से यात्री मिलेंगे। उधर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने कहा कि भोपाल से रवाना ट्रेन में विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, कटनी, सतना, मानिकपुर आदि स्टेशनों से ब?ी संख्या में यात्री सवार हो रहे हैं। बीते दिन तक मौनी अमावस्या के लिये भी जमकर भीड रही। वैसे ट्रेनों में 10 फरवरी तक बुकिंग नहीं मिल पा रही

है। इस वजह से रेल प्रशासन ने सोमवार को भोपाल स्टेशन से बीना होते हुए दोपहर में 18 जनरल कोच वाली एक ट्रेन चलाई । अब आज मंगलवार को फिर जनरल कोच वाली एक और ट्रेन बीना से चलाई जाएगी।

बसों का किराया 55 हजार !

ट्रेवल एजेंटों का कहना है कि महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालु बड़ी संख्या में समूह में आवागमन करना पसंद कर रहे हैं। इस कारण बड़ी गाड़ियों की कमी हो गई है। तीन दिन की यात्रा के लिए ट्रैवलर का किराया 40 हजार तक लिया गया है। वहीं, समूह की शक्ल में जाने वाले यात्रियों से बसों का किराया 55 हजार रुपए तक बस संचालक ले रहे हैं। अब छोटी गाड़ियों की मांग लगातार हो रही है।

प्रदेश में 22 सीएम राइज स्कूल भवन तैयार, जल्द किए जाएंगे हैंडओवर

निर्माण कार्य लगभग पूरा, अधिकतर स्कूलों में निःशुल्क परिवहन सेवा शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में स्कूली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिये जाने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति-2020 में रोचक एवं आनंददायक शिक्षा दिये जाने की अनुशंसा की गयी है। इस उद्देश्य से सीएम राइज योजना में 9200 विद्यालयों का चयन किया गया है। इन विद्यालयों को दो चरणों में सर्व-संसाधनयुक्त बनाया जा रहा है। योजना के पहले चरण में 274 विद्यालयों में भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी है। इनमें से 22 स्कूल भवनों का निर्माण पूर्णता की ओर है। योजना के दूसरे चरण में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 276 विद्यालयों को सर्व-संसाधन रूप में विकसित करने की स्वीकृति दी गयी है। इस पर तेजी से काम किया जा रहा है। इन विद्यालयों में कक्षा-केजी से कक्षा-12वीं तक पढ़ाई का संचालन किया जायेगा। प्रदेश में संचालित हो रहे सीएम राइज स्कूलों में रतलाम के विनोबा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय संस्था टी-4 एजुकेशन द्वारा नवाचार श्रेणी में विश्व में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। सीएम राइज योजना का प्रथम सर्व-सुविधायुक्त विद्यालय भवन गुलाना जिला शाजापुर में बनाया गया है। सीएम राइज स्कूल में आसपास के क्षेत्र के बच्चों को स्कूल तक पहुंचने के लिये निःशुल्क परिवहन सेवा भी प्रारंभ की गयी है।

माशिमं ने 10वीं 12वीं के प्रवेश पत्र किए जारी

भोपाल। प्रदेश में इस बार माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी एवं विद्यालय पूर्व शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.एस.ई) परीक्षा वर्ष 2025 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। माशिमं ने इन कक्षाओं की परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए है। प्रवेश पत्र माशिमं की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते। उल्लेखनीय है कि उल्लेखनीय है कि दसवीं-बारहवीं की मुख्य परीक्षाएं 25 फरवरी से शुरू होंगी। 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी से 25 मार्च तक और दसवीं की परीक्षा 27 फरवरी से 21 मार्च तक आयोजित की जाएगी। दोनों कक्षाओं के करीब 16.61 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे।

फिट्जी के एमपी नगर सेंटर पर अभिभावकों ने किया प्रदर्शन, प्रशासन ने किया सील

अभिभावकों के लाखों रूपए उलझे, एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस कार्यवाही में जुटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के एमपी नगर स्थित फिट्जी कोचिंग संस्थान के सेंटर पर एफआईआर दर्ज होने के बाद जिला प्रशासन ने कोचिंग सेंटर को सील कर दिया है। एमपी नगर एसडीएम एलके खरे और बैराग? एसडीएम आदित्य जैन ने स्टाफ के साथ पहुंचकर सेंटर सील करने की कार्रवाई की। इस दौरान ब?ी संख्या में यहां पहुंचे अभिभावकों और बच्चों ने कोचिंग प्रबंधन के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि फिटजी कोचिंग सेंटर प्रबंधन पर भोपाल के एमपी नगर थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में 15 दिसंबर को एफआईआर की गई है। कोचिंग स्टूडेंट्स की शिकायत पर ये कार्रवाई की गई है। शिकायत के मुताबिक, कोचिंग सेंटर अचानक बंद किए जाने की वजह से हर

पैरेंट्स के लगभग 2 लाख रुपए फंसे हुए हैं। कुल मिलाकर यह राशि करीब 12-15 करोड़ रुपए तक पहुंचती है।

अभिभावकों ने की रुपए लौटाने की मांग: अभिभावकों का कहना है कि संस्थान प्रबंधन ने न केवल बच्चों के भविष्य को खतरे में डाला है बल्कि अभिभावकों को भी आर्थिक रूप से परेशान कर दिया है। कोचिंग सेंटर के बंद होने से बच्चों की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है। उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। हमारी सरकार से मांग है कि हर संस्थान द्वारा अभिभावक से लिए गए लाखों रुपए वापस कराए जाएं।

राहुल नगर, बेहटा गांव में सीवेज नेटवर्क के लिए भूमिपूजन

- कुंभ में स्नान को लेकर खरगे के बयान पर खरी-खरी सुनाईं रामेश्वर ने

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर के बेहटा गांव और राहुल नगर में सीवेज नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। 20 लाख की लागत से हो रहे इस कार्य के दूसरे चरण में मंगलवार को आठ लाख रूपये के लिए भूमिपूजन किया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा और एमआईसी सदस्य व पार्षद राजेश हिंगोरानी के साथ मप्र आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष सुशील वासवानी ने संयुक्त रूप से भूमिपूजन किया। विधायक शर्मा ने कहा भाजपा सरकार विकास, जन हितैषी सरकार है। विकास को बूथ स्तर तक पहुंचाया जा रहा है। विधायक ने महाकुंभ

मेला में स्नान को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। शर्मा ने खरगे का बयान माफी योग्य भी नहीं है, कांग्रेस विदेशी हुकूमत के हिसाब से चलती है। कांग्रेस का जन्मदाता भी विदेशी हुकूमत से है और कांग्रेस का नेतृत्वकर्ता विदेशी है। कांग्रेस का स्वदेशी भाव खत्म हो गया है। महात्मा गांधी ने देश में रामराज की कल्पना की थी, लेकिन कांग्रेस ने राम को ही नकार कर दिया है। शर्मा कुंभ में स्नान करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। स्नान का पुण्य खरगे और कांग्रेस क्या जाने। हिंगोरानी ने बताया कि इन इलाकों में दो बूथ आते हैं, अभी तक पार्षद कोटे से 50 लाख रूपये के विकास कार्य हो चुके हैं। वार्ड में प्राथमिकता से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, कमल वीधानी व अन्य विशिष्ठजन मौजूद थे।

माता मंदिर समिति ने आभार व्यक्त किया

हिरदाराम नगर. नुक्कड़ वाली माता मंदिर समिति ने हनुमानजी की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में में सहयोग देने वालों का आभार व्यक्त किया है। मंदिर के पुजारी पंडित रवि पटेरिया, कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विष्णु विश्वकर्मा, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेता विशाल पुरोहित, पूज्य सिंधी पंचायत, बजरंग सेना समिति ने आभार व्यक्त किया। पंडित पटेरिया ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान महाराजजी को चोला एवं सिन्दूर चढ़ाया जाता है।

संस्कार में हनुमान चालीसा पाठ हुआ

हिरदाराम नगर. दीपमाला पागारानी पब्लिक स्कूल की प्रार्थना सभा में हनुमान चालीसा का पाठ किया। बच्चों के साथ अतिथि एवं शाला प्रबंध समिति के सदस्य और शिक्षक-शिक्षिकाएं हनुमानजी की आराधना करते हैं। चालीसा पाठ में सुरेन्द्र सिंह परमार, राष्ट्रीय संयोजक हिन्दू सेना, दशरथ सिंह ने भी बच्चों के साथ हनुमान चालीसा पाठ किया। इस दौरान चन्दर नागदेव, आरके मिश्रा, मृदुला गौतम, सीमा शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की तैयारियां शुरू

विधायक ने देखी निवेशकों के आगमन मार्ग की व्यवस्थाएं

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आगामी 24 व 25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। समिट में देश-विदेश के बड़े उद्योगपति शामिल होंगे,समिट को लेकर मंगलवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह एवं निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण के साथ राजभोज एयरपोर्ट के आसपास एवं लालघाटी क्षेत्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ लोक निर्माण विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान विधायक ने ग्रेड सेपरेटर पर डिवाइडर निर्माण के साथ ही ग्रेड सेपरेटर की सर्विस रोड को अधिकतम चौड़ा करने की बात कही। एयरपोर्ट के पास गांधीनगर के सर्विस रोड को भी अधिकतम चौड़ा करते हुए सौंदर्यीकरण के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट भोपाल के लिए बहुत बड़ा अवसर है जब हम प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में बड़े उद्योगपतियों के साथ मध्यप्रदेश के उद्योग जगत का खाका तैयार होगा । इस समिट से भोपाल की औद्योगिक प्रगति का मार्ग और सुगम होगा। इसलिए हर आगंतुक का हम पूरे उत्साह और तैयारी के साथ स्वागत करेंगे। एयरपोर्ट से लेकर लालघाटी तक के मार्ग पर आवश्यक सुधार कर सौंदर्यीकरण के कार्य करेंगे। ताकि हर निवेशक के दिल में स्वच्छ और सुंदर भोपाल के साथ सुमग भोपाल की छाप बने।

अस्पताल का गेट गार्ड पर गिरा, टूटी कमर, अधीक्षक को जांच के निर्देश

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के हमीदिया अस्पताल में बने नए भवन ब्लॉक ए के सामने स्थित इमरजेंसी गेट (नए गेट) के एक गार्ड पर गिरने के मामले में संज्ञान लिया है। गेट के गिरने के कारण गार्ड की कमर टूट गई और घायल भी हो गया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि गेट बनाने वाले ठेकेदार को गेट के पहिए सॉकेट से बाहर आने की सूचना दो बार दी गई थी, इसके बाद भी गेट की मरम्मत नहीं की गई। हादसा तब हुआ जब गार्ड गेट बंद कर रहा था, इसी दौरान पहिए सॉकेट से निकल गए और गेट गार्ड के ऊपर गिर गया, जिसमें वह छाती पर दब गया। हादसे में गार्ड की कमर की हड्डी में फ्रैक्चर आये है। मामले में आयोग ने हमीदिया अस्पताल अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही गार्ड के स्वास्थ्य के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी तलब किया है।

अस्पताल के पास रैन बसेरा के नहीं: हमीदिया अस्पताल में आने वाले मरीजों के स्वजनों को अस्पताल के पास रैन बसेरा के नहीं बनने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की नई बिल्डिंग से रैन बसेरा लगभग 20 मिनट की दूरी पर बना हुआ है, इस कारण स्वजन को अस्पताल परिसर में ही नीचे जमीन पर ही रात बितानी पड़ रही है। मामले में स आयोग ने नगर निगम आयुक्त से जांच कराकर प्रतिवेदन मांगा है।

मप्र के चहुंमुखी विकास में जनहित के जो कार्य हुए, उसका श्रेय प्रदेश की साढ़े 8 करोड़ जनता को-डॉ. मोहन यादव

प्रदेशवासियों से मुख्यमंत्री ने कहा- हमारा संविधान गौरव और स्वाभिमान के साथ हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का बोध भी करवाता है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गणतंत्र दिवस पर प्रदेशवासियों से कहा संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का दिन है। संविधान सभा में मध्यप्रदेश के महू नगर में जन्मे बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के नाते अविस्मरणीय भूमिका रही। हमारा संविधान गौरव और स्वाभिमान के साथ हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों का बोध भी करवाता है। संविधान दिवस के माध्यम से हमारा राष्ट्र संविधान की महिमा को एक उत्सव के रूप में मनाता है। गणतंत्र दिवस की वर्षगांठ पर यह बताते हुए प्रसन्नता है कि एक वर्ष में प्रदेश के चहुंमुखी विकास के साथ प्रदेश की जनता के हित में जन-सहयोग से जो कार्य हुए हैं, उनसे मध्यप्रदेश विकसित राज्य के रूप में पहचान बना रहा है। इस उपलब्धि का श्रेय प्रदेश के लगभग साढ़े आठ करोड़ नागरिकों को जाता है, जो इस पहचान के शिल्पकार रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश की हमारी यात्रा निरंतर चल रही है।

उज्जैन में विश्व की पहली 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' स्थापित कर भारतीय काल गणना परंपरा का साक्षात्कार पूरी दुनिया से करवाया गया। प्रदेश सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य के विभिन्न आयामों को देश और विदेश के सामने लाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ किए है। प्रत्येक नगरीय निकाय में गीता भवन के निर्माण का निर्णय लिया गया है।

उज्जैन में अखाड़ों और आश्रमों के लिए स्थायी संरचना के उद्देश्य से भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया है। सिंहस्थ-2028 को वैश्विक आयोजन बनाया जाएगा। शिप्रा का जल निर्मल और प्रवाहमान रहेगा। इसके लिए विभिन्न परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

• जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानः भारत सरकार द्वारा जनजातीय ग्रामों में शत प्रतिशत सेब्रेशन के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के 51 जिलों के 267 विकासखंडों के 11 हजार से ज्यादा गांवों के 18 लाख 58 हजार जनजातीय 1 परिवारों की 93 लाख 23 हजार आबादी को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। इसमें 18 विभागों या मंत्रालयों की 25 योजनाएं चिह्नित हैं और पांच वर्ष के लिए कुल वित्तीय प्रावधान 79 हजार करोड़ का है। इसके अंतर्गत जनजातीय वर्ग को मकान, सड़क, पेयजल, होम स्टे, घरेलू गैस कनेक्शन, मोबाइल मेडिकल यूनिट, सिकल सेल सेंटर, आंगनवाड़ी भवन, पोषण वाटिका, आयुष्मान कार्ड, छात्रावास, आश्रम एवं विद्यालय, बिजली/सोलर कनेक्शन, वन अधिकार अधिनियम, मत्स्य पालन एवं कृषि क्षेत्र में सहयोग, 4जी मोबाइल कनेक्टिविटी आदि योजनाओं का लाभ दिया जाना है।

• युवा शक्ति मिशनः युवा शक्ति मिशन मध्यप्रदेश के युवाओं के सशक्तिकरण की मजबूत बुनियाद रखेगा। सरकार द्वारा पांच वर्ष में युवाओं के लिए 2 लाख 50 हजार सरकारी नौकरियों में भर्ती का लक्ष्य तय किया गया है। युवा खिलाड़ियों के लिए प्रदेश के सभी 55 जिलों में खेल स्टेडियम का निर्माण होगा। मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में 18 खेलों की 11 खेल अकादमियां आधुनिक और वैज्ञानिक पद्धति से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर रही हैं। विभिन्न कंपनियों में कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव से वर्तमान वित्त वर्ष में 5 हजार से अधिक आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को चयनित किया गया है। इस वर्ष 22 नए आईटीआई प्रारंभ होंगे। राज्य स्तरीय रोजगार दिवस के अवसर पर रिकॉर्ड 7 लाख युवाओं को 5 हजार करोड़ रुपए का स्व-रोजगार ऋण वितरित हुआ। प्रदेश में योग्य युवाओं को उनकी आवश्यकता के अनुरूप नौकरी दिलवाने और उन्हें स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें उद्योग क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में वर्ष 2024 में 15 हजार 388 चयनित युवाओं को औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्य का अवसर दिलवाते हुए लगभग 37 करोड़ रुपए की स्टायपेंड राशि वितरित की गई। युवाओं के लिए जॉब फेयर योजना और कॅरियर काउंसिलिंग योजना का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

• गरीब कल्याण मिशन : गरीब कल्याण मिशन का लक्ष्य गरीब और वंचित वर्ग को सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना है। यह मिशन मुख्यतः तीन घटकों यथा बहु-आयामी गरीबी इंडेक्स में सुधार, आजीविका सुदृढ़ीकरण और विद्यमान संगठनों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। गरीब कल्याण मिशन स्थानीय समुदाय के सशक्तिकरण के माध्यम से वर्तमान शासकीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए राज्य की जनता को आत्मनिर्भरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होगा। आदरणीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीबों के पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हो रहा है। योजना में, प्रदेश के 36 लाख ग्रामीण और 8 लाख से अधिक शहरी परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा निःशुल्क राशन वितरण योजना को वर्ष 2028 तक बढ़ा दिया गया है।

• किसान कल्याण मिशनः किसान कल्याण मिशन अंतर्गत किसानों की आय में वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह मिशन कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने का प्रमुख माध्यम बनेगा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा प्राकृतिक कृषि के प्रसार एवं किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से 'मध्यप्रदेश प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड' का गठन किया गया है। प्राकृतिक खेती कर रहे एवं प्राकृतिक खेती के इच्छुक राज्य के किसानों के पंजीयन के लिए पोर्टल प्रारंभ किया गया है। पोर्टल पर प्राकृतिक खेती करने के इच्छुक कुल 72 हजार 967 किसानों ने पंजीयन करवाया है। प्रत्येक पंचायत में पीएम किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 81 लाख से अधिक किसानों को गत वर्ष 4 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि का अंतरण किया गया है।

• श्रीअन्न प्रोत्साहन योजनाः रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में किसानों को एक हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 3900 रुपए प्रति हेक्टेयर की सहायता दी जा रही है। शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालीन फसल ऋण के लिए इस वर्ष 600 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। किसानों को समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं पर प्रति क्विंटल 125 रुपए का बोनस प्रदाय किया गया। देश में पहली बार राज्य सरकार ने सोयाबीन का 4892 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदी का निर्णय लिया। लगभग 2 लाख किसानों से प्रदेश में पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सोयाबीन का उपार्जन कर 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा राशि का भुगतान किया। खरीफ-2024 में 1.23 लाख क्विंटल से ज्यादा प्रमाणित बीज का वितरण किया गया। किसानों को उर्वरक प्रदाय करने के लिए केंद्रों की संख्या बढ़ाने के साथ ही अमानक उर्वरक बेचने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करना सुनिश्चित किया गया।

• मुख्यमंत्री सोलर पंप योजनाः मप्र को कृषि उत्पादन में निरंतर अग्रणी स्थान मिला है। सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड भी प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना अब प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के नाम से लागू है। कृषकों को सौर ऊर्जा के लाभसे लाभांवित करने के लिए प्रदेश में अस्थाई विद्युत कनेक्शन लेने वाले लगभग सवा लाख किसानों को सौर ऊर्जा के पंप प्रदाय किए जाएंगे। अगले 4 वर्ष में सौर ऊर्जा पंप प्रदाय कर किसानों को विद्युत आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाएंगे।

छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर जिले शामिल

नदी जोड़ो परियोजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर 2024 को छतरपुर जिले के खजुराहो में देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा परियोजना का भूमि-पूजन किया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 100वें जन्म जयंती वर्ष में मध्यप्रदेश को मिली इस सौगात में मध्यप्रदेश के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर जिले शामिल हैं। परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के इन जिलों के कुल 8 लाख हेक्टेयर से अधिक और उत्तरप्रदेश के ढाई लाख हेक्टेयर, इस प्रकार कुल साढे 10 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, मध्यप्रदेश की 41 लाख एवं उत्तरप्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल सुविधा भी प्राप्त होगी। इसी तरह, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान की अंतरराज्यीय राष्ट्रीय परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना से 11 जिले गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, आगर-मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर एवं मुरैना लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मौजूदगी में 17 दिसंबर 2024 को जयपुर में इस परियोजना का त्रिपक्षीय अनुबंध हुआ है। परियोजना से कुल 6 लाख 13 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा। प्रदेश के भीतर भी नदी जोड़ो परियोजनाओं को क्रियान्वित किए जाने की दिशा में कार्य प्रारंभ किया गया है। शिप्रा-गंभीर-कान्ह डक्ट परियोजना इसका उदाहरण है। प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में नदियों को जोड़ने की परियोजनाओं की तकनीकी साध्यता पर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने ज्ञान का मंत्र दिया है, जिसका अर्थ है गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी। ज्ञान पर ध्यान के ध्येय वाक्य को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। अपनी संपूर्णता में यह समाज के सशक्तिकरण का मंत्र है। इस मंत्र की सिद्धि की दिशा में मप्र सरकार ने चार मिशन, युवा शक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण और नारी सशक्तिकरण प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। स्वामी विवेकानंद

युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ राष्ट्रीय युवा दिवस पर किया गया है। यह मिशन युवाओं के स्वप्न साकार होने का माध्यम तो बनेगा साथ ही समाज में सकारात्मक और अपेक्षित परिवर्तन लाने के लिए भी प्रेरित करेगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन, उद्यमिता को प्रोत्साहन एवं रोजगार, सामाजिक पहल, सामाजिक सदभाव, इस मिशन के प्रमुख स्तंभ हैं। युवा-केंद्रित पहलुओं की प्रगति पर निगरानी रखने के लिए प्रभावी तंत्र स्थापित किया जाएगा।

सिंचित क्षेत्र का रकबा दो गुना होगा

किसानों को अधिक दाम प्रदान करने वाली फसलों को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रदेश के सिंचित क्षेत्र का रकबा अगले पांच वर्ष में 50 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य है। मध्यप्रदेश में उद्यानिकी फसलों का रकबा 26 लाख हेक्टेयर से अधिक है। संतरा, टमाटर, धनिया, लहसुन और मसाला उत्पादन में मध्यप्रदेश, देश में प्रथम है। प्रदेश में 50 हाईटेक नर्सरी बनाई जा रही हैं। नर्सरियों के कुशल प्रबंधन के लिए ई-नर्सरी पोर्टल भी तैयार किया गया है। इजराइल के तकनीकी सहयोग से प्रदेश में उद्यानिकी विकास के लिए 3 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें मुरैना में सब्जी उत्पादन, छिंदवाड़ा में नींबू वर्गीय फसल और हरदा में आम एवं सब्जी उत्पादन के केन्द्र विकसित किए जाएँगे। ग्वालियर में हाईटेक फ्लोरीकल्चर नर्सरी परियोजना स्वीकृत की गई है।

समितियां एकत्र करेगी 25 लाख लीटर दूध

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच एमओयू हुआ है। वर्तमान में, प्रदेश के लगभग 6 हजार गांवों में प्राथमिक दुग्ध समितियाँ हैं। प्रदेश के समस्त गांवों के लिए दुग्ध समितियों के गठन का लक्ष्य है। यह समितियां 25 लाख लीटर दुग्ध एकत्रीकरण में सक्षम होंगी। साँची ब्रांड को मजबूत किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत उत्पादन होता है, जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में दुग्ध संकलन केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जाएगी। दुग्ध संकलन 10 लाख 50 हजार किलोग्राम से बढ़ाकर 20 लाख किलोग्राम किया जाएगा। अगले पांच वर्ष में एक हजार 447 करोड़ रुपए के निवेश से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के अनेक कार्य होंगे। सरकार का प्रयास मध्यप्रदेश को देश की डेयरी कैपिटल बनाना है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से अनुबंध के फलस्वरूप राज्य के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत सहकारी प्रणाली भी सशक्त होगी।

डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराधों को रोकने के लिए चलाया जाएगा जन-जागृति अभियान

कानून-व्यवस्था की मजबूत स्थिति के लिए राज्य सरकार सजग और सक्रिय है। डिजिटल अरेस्ट जैसे नए अपराधों को रोकने के लिए जन-जागृति अभियान चलाया जा रहा है। साइबर डेस्क के माध्यम से साइबर अपराधों के विरुद्ध कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य को वर्ष 2026 तक नक्सल-मुक्त किए जाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। होमगार्ड के 4 हजार 657 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से प्रारंभ की जा रही है। औपनिवेशिक मानसिकता के स्थान पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और जनता को राहत देने के लिए लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी है। मध्यप्रदेश सरकार को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए सराहना प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश में ई-समन की व्यवस्था देश में सर्वप्रथम लागू हुई। नए कानून लागू होने के पश्चात 6 माह में लगभग साढ़े तीन लाख समन की तामीली ऑनलाइन माध्यमों जैसे वाट्सएप और ई-रक्षक एप के माध्यम से की गई। नए कानून नागरिकों की भागीदारी और उनके अधिकारों को प्राथमिकता देने का माध्यम बने हैं। मध्यप्रदेश इन नए कानूनों के शत प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

गोशालाओं का होगा सुचारू संचालन

• जन-कल्याण हमारे लिए सर्वोपरि है। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के कल्याण की प्राथमिकता के अनुसार निरंतर विकास का यज्ञ जारी रहेगा। मध्यप्रदेश ने अपनी विकास यात्रा के अनेक पड़ाव पार किए हैं। गत एक वर्ष में प्रदेश की प्रगति के लिए जो निर्णय लिए गए हैं, उन्हें प्रदेश के नागरिकों का व्यापक समर्थन मिला है। निश्चित ही यह संतोष का विषय हो सकता है लेकिन लक्ष्य तो यही है कि मध्यप्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में अन्य प्रदेशों से अग्रणी रहे। प्रदेश में विकास से निर्णायक परिवर्तन हों और हम कह सकें कि यह गण और तंत्र की परिणाम-कारी और उत्तरदायी संस्कृति का जीवंत चित्र है। मध्यप्रदेश सच्चे अर्थों में विकास और समानता की दिशा में आगे बढ़ते हुए इस चित्र के रंगों को निरंतर चटख और रेखाओं को अमिट बनाए रखे। हमारा मध्यप्रदेश, देश के भूगोल का केंद्र होने की पहचान से आगे बढ़कर राष्ट्र के विकास और खुशहाली का नाभि केंद्र बने, यही हमारा संकल्प है।

• प्रदेश के पर्यटन को नए आयाम मिल रहे हैं। प्रदेश में इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल, रीवा, सिंगरौली, उज्जैन एवं खजुराहो के मध्य 'पीएम पर्यटन वायु सेवा' का संचालन शुरू हुआ है। प्रदेश में होम स्टे को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा भी खजुराहो और ओरछा के होम-स्टे बेहतर व्यवस्थाओं के लिए सराहे गए हैं।

• प्रदेश के सभी जिलों में गोशालाओं का सुचारु संचालन होगा। प्रदेश के बड़े नगरों में आधुनिक गोशालाओं का निर्माण किया जाएगा। ग्वालियर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 हजार गायों की देखभाल में सक्षम आधुनिक और आत्मनिर्भर गोशाला का शुभारंभ कर चुके हैं।

• पशुपालकों और किसानों को 10 से ज्यादा गाय पालने पर सरकार द्वारा अनुदान देने का विचार है। पंजीकृत गोशालाओं को प्रति गोवंश की 20 रुपए की आहार राशि बढ़ाकर 40 रुपए करने का निर्णय लिया गया।

• प्रदेश के मछुआरों को मत्स्य पालन के लिए अनेक सुविधाएं दी जा रही हैं। इन सुविधाओं में श्री व्हीलर व्हीकल, समूह दुर्घटना बीमा योजना का लाभ, उपचार के लिए सहायता शामिल है।

• प्रदेश में एक लाख 42 हजार मत्स्य-पालकों को कार्यशील पूंजी उपलब्ध करवाने के लिए क्रेडिट कार्ड उपलब्ध करवाए गए हैं।

• नारी सशक्तिकरण मिशन का लक्ष्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना है। इसमें महिलाओं व बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

• महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के लिए पुरुष संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए जागरूकता लाई जाएगी। इसके उद्देश्यों की पूर्ति व लक्ष्यों प्राप्ति के लिए महिलाओं के विकास और कल्याण से जुड़े पहलुओं यथा-स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

शासकीय सेवाओं में अब महिलाओं को मिलेगा 35 प्रतिशत आरक्षण

मध्यप्रदेश सरकार ने शासकीय सेवाओं में महिलाओं को अब 35 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्यों में शामिल हैं। योजना के प्रारंभ से अब तक 42 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया गया है। जननी सुरक्षा योजना में वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर 2024 तक लगभग 6 लाख हितग्राहियों को 79 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया। लाड़ली बहना योजना में सवा करोड़ से अधिक पात्र बहनों को योजना प्रारंभ से लेकर अब तक 30 हजार 765 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया गया है। रक्षाबंधन पर भेंट स्वरूप बहनों को 250-250 रुपए की अतिरिक्त राशि दी गई।

प्रदेश में 89 लाख से अधिक महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए हैं। प्रदेश की लगभग 26 लाख लाड़ली बहनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर की रीफिलिंग के लिए वर्ष 2024 में 715 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का अंतरण किया गया। प्रदेश में एक लाख से अधिक दीदियां लखपति बनी हैं। महिला उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिए 850 एमएसएमई इकाइयों को 275 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया गया। सेनिटेशन एवं हाइजीन योजना में 19 लाख से अधिक स्कूली बालिकाओं को 57 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है। आहार अनुदान योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति की बैगा, सहरिया और भारिया बहनों के खाते में जनवरी, 2024 से लेकर अब तक 325 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई है। प्रदेश में स्व-रोजगार से स्वावलंबन के जरिए महिलाओं की जीवन स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास भी किया जा रहा है। महिला श्रम पर आधारित उद्योगों, विशेष रूप से रेडीमेड गारमेंट इंडस्ट्री में प्रति महिला श्रमिक 5 हजार रुपए के मान से प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार महिला स्व-सहायता समूह को जन-आंदोलन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, 25 लाख महिलाएं स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। यह संख्या चार वर्ष में 50 लाख तक बढ़ाई जाएगी। प्रदेश में ग्रामीण अंचलों में समग्र विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के दूसरे चरण अंतर्गत लगभग 10 लाख परिवारों को व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। प्रदेश के 313 विकासखंडों में वृंदावन ग्राम योजना में एक-एक ग्राम वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित होगा। प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान को अच्छी सफलता मिली है। इस अभियान को प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाएगा। यह गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश कई केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी है। इन योजनाओं में पीएम स्व-निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, पीएम आवास, प्रधानमंत्री मातृ वंदना, स्वामित्व, आयुष्मान भारत और मछुआ क्रेडिट कार्ड, नशामुक्त भारत अभियान और कृषि अवसंरचना निधि शामिल हैं। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन में भी मध्यप्रदेश लगातार अग्रणी है।

D-19196/24

संपादकीय

नीति का मसौदा और उलझनें

हाल में भारतीय मानक ब्यूरो ने ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा जारी किया है। यह कदम स्वागत योग्य है तथा उस दौर में उठा है जब देश में ऑनलाइन खरीदारी की रफ्तार तेज है। दिशानिर्देशों का उद्देश्य उपभोक्ताओं और अन्य हितधारकों की चिंता दूर करने का है। गौरतलब है कि किसी बड़ी ऑनलाइन कंपनी या मार्केटप्लेस के काम करने का तरीका फूड डिलिवरी कंपनी से अलग होता है। इसी तरह, इन्वेंट्री आधारित एकल ब्रांड फैशन ई-कॉमर्स कंपनी के काम करने का तरीका क्रिक कॉमर्स कंपनी से बिल्कुल अलग होता है। लिहाजा, उचित होगा कि दिशानिर्देशों में इन सभी विविधताओं का ध्यान रखा जाए। इससे ई-कॉमर्स कारोबार में लगी कंपनियां उपभोक्ताओं को अनुचित व्यवहारों से सुरक्षित रखने में सक्षम होगी। इन नीतियों एवं नियम-कायदों को तैयार करने में विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों की भूमिका तो है लेकिन कहीं न कहीं इनसे विरोधाभासी संकेत भी हैं। इसका कारण यह है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय फिलहाल ई-कॉमर्स नीति तैयार करने में जुटा है और फिलहाल इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। इस तरह, जब तक व्यापक नीति बनकर तैयार नहीं हो जाती तब तक बीआईएस द्वारा तैयार दिशानिर्देशों का कोई विशेष मतलब नहीं रह जाएगा। यूं तो बीआईएस एक स्वायत्त संस्था है जो उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीनस्थ काम करती है। मगर ई-कॉमर्स नीति शीघ्र आ आए तो इन दिशानिर्देशों में अधिक पारदर्शिता आ जाएगी। वैसे भी पिछले कई वर्षों के दौरान विभिन्न कारोबारी प्रारूप सामने आए हैं। इस बार भारत में ई-कॉमर्स का बाजार 137 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। ई-कॉमर्स बाजार के 2030 के बीच 20 प्रतिशत चक्रवृद्धि दर से भी अधिक तेजी से अपना आकार बढ़ाने का अनुमान है। बीआईएस ने स्व-संचालन के लिए मसौदा दिशानिर्देश तैयार करते वक्त इस वृद्धि दर को ध्यान में रखा है। बीआईएस ने इस प्रक्रिया में उपभोक्ता सुरक्षा एवं विश्वास की राह में पैदा होने वाली चुनौतियों का हवाला दिया है। इस मसौदे में तीन चरणों वाला दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। इनमें प्री-ट्रांजैक्शन अनुबंध से संबंधित जानकारी और पोस्ट ट्रांजैक्शन चरण शामिल किए गए हैं। इनमें कारोबारी साझेदार या विक्रेताओं से संबंधित जानकारियों (केवाईसी) की जांच करने, उत्पाद सूचीबद्धता, विक्रेता के संपर्क सूत्र की जानकारी, सभी हितधारकों के लिए कारोबार के समान अवसर सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं। मगर उत्पादों के लेबल पर कार्बन उत्सर्जन से जुड़ी जानकारियां और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के नाम का जिक्र करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वैसे देश में ई-कॉमर्स बाजार अब भी खुदरा क्षेत्र के मात्र एक छोटे हिस्से के बराबर है। पिछले साल देश में खुदरा क्षेत्र 950 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया था। आंकड़ों से स्पष्ट है कि देश में ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए कारोबार करने की अपार संभावनाएं हैं, खासकर इंटरनेट और स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच से इस क्षेत्र के लिए उम्मीदें प्रबल हैं। माना जाता है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र में नियामकीय हस्तक्षेप नरम होना चाहिए ताकि इसमें कारोबार करने वाली इकाइयों को अनुपालन से जुड़े अधिक झमलों में नहीं फंसना पड़े। इन कारोबारों में ज्यादातर स्टार्टअप इकाइयां हैं। खुदरा क्षेत्र में उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रखने के लिए सरकार और हितधारकों दोनों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। नियमों के उल्लंघन पर किसी तरह की राहत एवं रियायत दिए बिना ये उपाय लागू करने के लिए एक केंद्रीय नियामकीय संस्था का गठन होना चाहिए।

क्रोध समझदारी को घर से बाहर निकाल देता है।

- गेटे

आज का इतिहास

- 1528: मुगल साम्राज्य वंश के संस्थापक बाबर ने मेवाड़ के राजा राणा सांगा को हराकर चंदेरी के किले पर कब्जा किया।
- 1676: थियोडोर तृतीय रूस के जार बने।
- 1780: भारत का पहला समाचारपत्र अंग्रेजी में हिकीज बंगाल गजट के नाम से प्रकाशित हुआ। अंग्रेजी भाषा के इस समाचार पत्र के संपादक जेम्स ऑगस्टस हिक्की थे।
- 1889: हंगरी के युवराज आर्कड्यूक रूडोल्फ ने अपनी प्रेमिका की हत्या के बाद आत्महत्या कर ली।
- 1916: प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी ने फ्रांस पर पहली बार हमला किया।
- 1919: चेक फौजों ने गैलीसिया में पोलैंड की फौजों को शिकस्त दी।
- 1939: रामकृष्ण मिशन सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना।
- 1947: अमेरिका ने चीन में मध्यस्थ की भूमिका छोड़ी।
- 1949: ब्रिटेन ने इजराइल को मान्यता दी।
- 1953: संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।
- 1963: फ्रांस के वीटो के कारण यूरोपीय साझा बाजार में ब्रिटेन को प्रवेश नहीं मिल सका।
- 1973: अमेरिका, सोवियत संघ और 17 देशों ने यूरोप में सैन्य बल कटौती में विचार-विमर्श के लिए विएना में बैठक की।
- 1979: भारत की पहली जंबो ट्रेन (दो इंजन वाली) तमिलनाडु एक्सप्रेस को नई दिल्ली स्टेशन से झंडी दिखाकर चेन्नई के लिए रवाना किया गया।

निशाना

पूंछ रहे सवाल !!

-कृष्णेन्द्र राय

साध कर निशाना ।
पूंछ रहे सवाल ।।
सच सच बतलाएं ।
करता कौन बवाल ।।
ले लिए हैं हम ।
नया अब अवतार ।।
ना कहो चालाक ।
है यह तो व्यवहार ।।
कथनी और करनी में ।
भले रहा मैं भिन्न ।।
हमको है सताया ।
अंदर से मैं खिन्न ।।
मांग रहा मैं वोट ।
जोड़ लिया है हाथ ।।
ना आगे भटकाना ।
वरना मैं अनाथ ।।

हिंदी की अनदेखी

बाज़ार का हथियार पर अपनों से लाचार

■ क्षमा शर्मा

पिछले दिनों दस जनवरी को मनाए जाने वाले विश्व हिंदी दिवस के मौके पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में दुनियाभर में फैलती हिंदी, बाजार की भाषा बनती हिंदी, विश्व के डेढ़ सौ से अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली हिंदी के विभिन्न पहलुओं पर मंथन हुआ। वक्ताओं का कहना था कि अगर हिंदी और उसकी बहन उर्दू को जोड़ लिया जाए, तो यह विश्व की तीसरे नम्बर की भाषा होगी। यह भी कि यू-ट्यूब पर भी हिंदी दुनिया की चौथे नम्बर की भाषा है।विडंबना है कि अपने देश में हिंदी और उसके बोलने वालों की भारी उपेक्षा है। हिंदी को हमेशा दोयम दर्ज की भाषा माना जाता है। अगर अंगरेजी नहीं आती, तो आप सफल नहीं हो सकते। नौकरी पाने के लिए यह अपने देश की सच्चाई है। जबकि अपने देश में साठ करोड़ के आसपास लोग हिंदी बोलते, समझते, लिख-पढ़ सकते हैं। जब नेतागण एक-एक वोट का हिसाब लगाते हैं, तो ये साठ करोड़ लोग क्यों नहीं दिखते। क्या इनके वोट की कोई कीमत नहीं। लोकसभा में आधी से अधिक सीटें हिंदी भाषी क्षेत्रों से आती हैं। लोकसभा की कार्यवाहियों का हिंदी में लाइव प्रसारण भी होता है। बड़े विज्ञापनदाता अपने -अपने उत्पाद का विज्ञापन हिंदी में कराना चाहते हैं। सारे बड़े चैनल्स हिंदी में हैं। तमाम दक्षिण भारतीय फिल्में हिंदी में डब की जाती हैं और भारी मुनाफा और दर्शक जुटाती हैं। दक्षिण की तमाम हीरोइंस -हीरो हिंदी फिल्मों में काम करना चाहते हैं।

लेकिन दक्षिण की राजनीति देखिए कि हिंदी के नाम पर हिंदी भाषी लोगों को चाहे जब खदेड़ दिया जाता है। हिंदी साम्राज्यवादी है, यह कहकर हजारों लोगों के रोजगार छीनकर, उन्हें रातोंरात भगा दिया जाता है। अफसोस मीडिया में, साहित्य में इन के विस्थापन के विरोध में एक शब्द सुनाई नहीं देता है। आखिर क्यों। एक बार मशहूर बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी ने कहा था कि जब उनकी पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में हुआ, तब उन्हें पूरे भारत भर में प्रसिद्धि मिली। पहले हिंदी फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता-अभिनेत्रियां हिंदी बोलना अपनी हैसियत से नीचा समझते थे। लेकिन अब नई पीढी के अभिनेता-अभिनेत्रियां, अपनी हिंदी सुधारने के लिए विशेष ट्रेनिंग ले रहे हैं। सारा अली खान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि हिंदी फिल्मों में आने के लिए सबसे पहले मैंने अपनी हिंदी को सुधारा। जिन अमिताभ बच्चन को सदी का महानायक कहा जाता है , वह हिंदी बोलने में गौरव महसूस करते हैं। एक बार सैफ अली खान ने कहा था कि उन्हें अमिताभ बच्चन की हिंदी से रश्क होता है।

लेखिका की घरेलू सहायिका तमिलनाडु की है। वह अरसे से दिल्ली में रहती है। कई साल पहले, उसने बारहवीं पास कराकर अपनी लड़की की शादी तमिलनाडु के दूर-दराज गांव में कर दी। कुछ ही महीने बाद उसने बताया कि उसकी लड़की की गांव के स्कूल में नौकरी लग गई है। यह आश्चर्य की बात थी, आखिर इन दिनों बारहवीं पास को कहां नौकरी मिलती है। पूछने पर उसने कहा कि लड़की स्कूल में हिंदी पढ़ाती है। हिंदी, क्या वहां लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। उसने कहा -हां। क्योंकि दक्षिण में रोजगार नहीं है। वे हिंदी भाषी क्षेत्रों में आना चाहते हैं। इसलिए माता-पिता अपने बच्चों को हिंदी सिखाना चाहते हैं। फिर अगले किसी साल उसने खुश होते हुए बताया कि पहले तो उसकी लड़की को पांच हजार रुपये ही मिलते थे, मगर अब दस हजार कमाने लगी है और बहुत खुश है। लेकिन जब भी चुनाव आते हैं, हिंदी विरोध का झंडा उठा लिया जाता है। एक बार मैसूर के एक कलेक्टर ने सड़कों पर हिंदी में भी नाम लिखवा दिए थे, जिससे हिंदी भाषी लोग जब इन इलाकों में जाएं, तो सुविधा हो सके। इस बात का यह कहकर भारी विरोध किया गया था कि कर्नाटक के लोगों पर हिंदी लादी जा रही है। एक बार चेन्नई से पांडिचेरी तक टैक्सी से गई थी। रास्ते भर सड़क के किनारे हर उस जगह पर कालिख पोती गई थी, जहां हिंदी में कुछ भी लिखा था। गांव का नाम या कुछ और।

कुछ साल पहले एक और खबर पर नजर पड़ी थी कि बांग्ला भाषी काम-काजी लोग, जब दक्षिण में कम-काज के सिलसिले में जाते हैं, तो वे वहां हिंदी बोलते हैं, क्योंकि वहां लोग हिंदी समझते हैं।

लेकिन यहां इस सच्चाई को भी स्वीकार करना चाहिए कि हिंदी की दुर्दशा में हिंदी भाषी लोगों का कोई कम योगदान नहीं है। जैसे ही हम किसी बड़े पद पर पहुंचते हैं, हिंदी हमारे शब्दकोश से गायब हो जाती है। हम हिंदी बोलने वाले, उसे बरतने वाले नहीं दिखना चाहते। आखिर हिंदी भाषी लोग यह कहकर कि उनकी हिंदी अच्छी नहीं है, कि वे हिंदी नहीं जानते, इसमें इतना गौरव क्यों महसूस करते हैं।

यदि आप विदेश जाते हैं, तो यह आपकी समस्या है कि आपको उनकी भाषा नहीं आती। आप उसे सीखें, तभी वहां काम कर सकते हैं। मगर हम हिंदी के लोग इसी बात में शर्मिंदा होते हैं कि हाय लोग क्या कहेंगे।

(साभार :लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गांधी निर्वाण दिवस : 30 जनवरी

अब बनने लगा है गांधी के सपनों का भारत

■ ललित गर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस जब हम नये भारत-सशक्त भारत को विकसित होते हुए देखते है तो प्रतीत होता है कि यह गांधी के ही सपनों का भारत बन रहा है। कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने गांधी की केवल मूर्तियां स्थापित की, लेकिन भाजपा सरकार अपनी नीतियों में गांधी दर्शन को लागू कर रही है। गांधी के अहिंसा दर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल देश में बल्कि दुनिया में स्थापित कर रहे हैं। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

महात्मा गांधी महानायक के रूप में ही नहीं, देवनायक के रूप में लोकतंत्र के मजबूत आधार एवं संकटमोचक है। संसद से लेकर सड़क तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और व्यक्ति से लेकर विचार बनने तक जीवन के हर नीति में, हर दृष्टिकोण में, हर मोड़ पर गांधी की व्याप्ति है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो या फिर नये भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियां हमारी हर सोच में, हर क्रियाएं में, हर नीति में गांधी का होना यह दर्शा रहा है कि आज गांधी पूर्व सरकारों की तुलना में ज्यादा जीवंत बने हैं।

महात्मा गांधी के विचार एवं दर्शन पर ही मोदी सरकार की योजनाएं एवं नीतियां आगे बढ़ रही है। इस बात का खुलासा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए कहा है कि उनके सबका साथ, सबका विकास के विचार की प्रेरणा 1980 के दशक की है। मोदी ने अपने हाथ से लिखे एक नोट्स में इस विचार के बारे में काफी पहले ही लिख दिया था। मोदी द्वारा लिखे गए नोट्स से पता चलता है कि महात्मा गांधी के आदर्शों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है, जो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। जिसमें युवा मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों उद्धरत करके लिखा था, मैं सबसे बड़ी संख्या की सबसे बड़ी भलाई के सिद्धांत में विश्वास नहीं करता। यह 51 प्रतिशत की अच्छाई के लिए 49 प्रतिशत की भलाई का त्याग करना है। यह सिद्धांत एक क्रूर सिद्धांत है। इसके माध्यम से मानवता को काफी नुकसान हुआ है। मानवता के लिए एक मात्र सिद्धांत है कि सभी के लिए भलाई के काम में विश्वास करना।' मोदी सरकार सभी की भलाई के लिये काम करते हुए गांधी दर्शन को ही आगे बढ़ा रही है।

मोदी का स्वच्छता मिशन गांधी की स्वच्छता सोच को ही आगे बढ़ाने का उपक्रम है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) भी गांधी के नाम पर चल रही योजना है। भारतीय मुद्रा से लेकर शासन-प्रशासन के हर कार्यस्थल पर गांधी है। हम गांधी के संवाद और सहिष्णुता के सिद्धान्तों को अपनाते हुए युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को निस्तेज बना रहे हैं। दलित-आदिवासियों को न्याय और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त कर रहे हैं तो भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान में जुटे हैं। भारत माता, गौ माता और गंगा माता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक चिन्तन को आगे बढ़ाते हुए गांधी की मूल अवधारणा को ही आगे बढ़ते हुए देख रहे

हैं। आज गांव, गरीब और स्वराज में गांधी की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुई, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण का अभाव अखरता है। गांधीजी ने इन स्थितियों को गहराई से समझा और अहिंसा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। महात्मा गांधी के सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में नरेन्द्र मोदी हमारे सामने हैं, उनके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थो के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम गांधी को जीवंत बनाये हुए है, यही कारण है कि कभी हम स्कूलों में शोचालय की बात सुनते है तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए मोदी को देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते है तो कभी ÷मेक इन इंडिया÷ का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण-ये और ऐसे अनेकों गांधी के सपनों को आकार देकर सचमुच लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दिये जा रहे हैं।

हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। देश एवं दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, युद्ध, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा, शांति, सह-जीवन, स्वदेशी का समर्थन करते हैं। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा। सवाल यह भी उठता है कि मनुष्यता के पतन की बड़ी-बड़ी दास्तानों के बीच आदमी के हृदय परिवर्तन के प्रति विश्वास का क्या मतलब है? जब हथियार ही व्यवस्थाओं के नियामक बन गये हों तब अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? एक वैकल्पिक व्यवस्था और जीवन की तलाश में सक्रिय लोगों को गांधीवाद से ज्यादा मदद मिल रही है।

आज जबकि समूची दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी संघर्षरत लोगों के लिये गांधी का सत्याग्रह ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। पर्यावरणवादी हों या अपने विस्थापन के विरुद्ध लड़ रहे लोग, सबको गांधीजी से ही रोशनी मिल रही है। गांधी की अहिंसा से सहयोग, सहकार, सहकारिता, समता और समन्वय जैसे उत्तम व उपयोगी मानवीय मूल्य जीवन्त हो रहे हैं। समस्त समस्याओं का समाधान भी एक ही है, वह है-अहिंसा। अहिंसा व्यक्ति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए गांधी से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

9 साल के समृद्ध का चैस चैंपियनशिप में 5वां स्थान,अब मलेशिया में दिखाएंगे जौहर

तेंदूखेड़ा! दमोह शहर के मधुवन कॉलोनी में रहने वाले 9 वर्षीय समृद्ध खरे ने आंध्र प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में पांचवा स्थान हासिल किया है।

अब वह मलेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना जौहर दिखाएंगे जब यह होनहार खिलाड़ी अपने घर पहुंचा तो घर और कॉलोनीवासियों ने ढोल नगाड़े के साथ उसका जोरदार स्वागत किया। दमोह जिले के लिए एक बहुत बड़ी बात है, जिस उम्र में बच्चे केवल स्कूल ही जा पाते हैं, उस उम्र में इस होनहार ने जिले का नाम रोशन कर दिया है समृद्ध खरे को पांच वर्ष की उम्र से ही शतरंज खेलने का काफी शौक था, जिसे उन्होंने जुनून में बदल दिया। बच्चे की प्रतिभा को इनके परिवार के लोगों ने परख लिया और आगे बढ़ाने के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में उसे खेलने भेजा।राष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन आंध्रप्रदेश में हुआ था। इस प्रतियोगिता में 28 राज्यों के 1200 बच्चों ने भाग लिया था। दमोह से समृद्ध खरे भी इस प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए थे। राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता खेलने के बाद जब समृद्ध खरे वापस अपने घर दमोह आए, जहां उनका शहरवासियों ने बड़े धूमधाम से उनका स्वागत किया। फूलमाला पहनाई गाड़ी में बैठाकर उनकी मधुवन कॉलोनी में रैली निकली गई। समृद्ध के दादा गणेश श्रीवास्तव तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में सर्किल ऑफिसर है। उन्होंने बताया समृद्ध खरे अभी नो वर्ष के है। वर्तमान में समृद्ध दमोह के डीपीएस स्कूल में कक्षा तीसरी में पढ़ाई कर रहे हैं।

पंचायतों में पहुंचेगी ज्योति कलश केंद्रीय यात्रा, जिला गोष्ठी में विचार विमर्श

गंजबासौदा। बरेठ रोड स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ में गायत्री परिवार की जिला स्तरीय गोष्ठी आयोजित की गई । गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल विश्व गायत्री परिवार के जिला समन्वयक मुकेश तिवारी, सह समन्वयक द्वय श्रीराम कटियार राजाराम पवार, उपजोन समन्वय समिति सदस्य मनीष श्रीवास्तव ने 26 फरवरी से प्रारंभ हो रही ज्योति कलश केंद्रीय यात्रा और जिला मुख्यालय पर 12 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित होने वाले कार्यकर्ता और कर्मकांड प्रशिक्षण शिविर की विस्तार से जानकारी प्रदान की। जिला समन्वयक मुकेश तिवारी ने बताया कि एक महीने तक चलने वाली ज्योति कलश यात्रा केंद्रीय टोली के साथ जिले की पंचायतों में पहुंचेगी। बैठक में गायत्री परिजनों से विचार विमर्श कर व्यवस्थाओं को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बासौदा मुख्य ट्रस्टी श्यामसुंदर माथुर ने आयोजनों को सफल बनाने का आह्वान करते हुए सभी का आभार प्रदर्शन किया। गोष्ठी में जिले की अन्य तहसील समन्वय समितियों के समन्वयक, सह समन्वयक एवं जिला समन्वय समिति सदस्यों सहित वरिष्ठ परिजन भी उपस्थित थे।

भाजपा ने फूंका खड़गे का पुतला

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी और भाजयुमो ने जयस्तंभ चौक पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का पुतला जलाया। इसके पहले कांग्रेस और खडगे के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई। खड़गे ने हाल ही में महाकुंभ को लेकर टिप्पणी की थी। जिसके बाद भाजपा में आक्रोश था। पुतला दहन अवसर पर नर्मदापुरम के विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, मण्डल अध्यक्ष राहुल चौरे, पुरानी इटारसी मण्डल अध्यक्ष मयंक मेहतो समेत दीपक महाला,जयकिशोर चौधरी, गोपाल शर्मा, शैलेन्द्र दुबे, सौरभ मेहरा, शुभम राठौड़, मंजीत कलोसिया,जिम्मी कैथवास, अमित विश्वास, शुभम गौर, कुंदन गौर,सहवाज बेग आदि कार्यकर्ता मौजूद थे। ज्ञात हो खड़गे ने महाकुंभ को लेकर कहा था, क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होगी। इस बयान को सनातन धर्म के खिलाफ मानते हुए भारतीय जनता पार्टी लगातार प्रदर्शन कर रही है।

लायंस क्लब ने टीआई बुंदेला का किया सम्मान

इटारसी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर इटारसी नगर थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला का लायंस क्लब कपल इटारसी ने सम्मान किया। क्लब अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल ने बताया कि इटारसी नगर में शांति व्यवस्था बनाये रखने, सौहार्द्रपूर्ण वातावरण का निर्माण करने और असामाजिक तत्वों पर लगाम कसने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए बुंदेला का शाल, श्रीफल, पुष्पहार और स्मृति चिन्ह से सम्मान किया, साथ ही कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा भी की। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल, सचिव शिल्पी सराठे, संजय अग्रवाल, डॉ रविन्द्र गुप्ता, डॉ संजय गुप्ता, डॉ राकेश बत्रा, डॉ अभिषेक सोनी, पार्षद,कुंदन गौर आदि उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग बांटे

सिवनी मालवा। ग्राम बाबरी तथा ग्राम डीमावर के स्कूल में पावर मेक कम्पनी के कर्मचारियों द्वारा छात्र छात्राओं को 300 स्कूल बैग वितरित किए गए। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के पश्चात बैग वितरण का कार्यक्रम रखा गया । कम्पनी के रमेश अन्ना ने बताया कम्पनी की ओर से प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों को आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाता है। उसी के अंतर्गत आज शासकीय माध्यमिक शाला डीमावर तथा शासकीय माध्यमिक शाला बाबरी में स्कूल बैग वितरित किये गए है। इस अवसर पर पावर मेक कम्पनी का स्टाफ, स्कूल स्टाफ सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कमिश्नर के आदेश की अवहेलना करना पड़ा महंगा

2 प्राचार्य एवं बीईओ की दो-दो वेतन वृद्धि रोकी

संभागायुक्त ने शिक्षकों को समयमान वेतनमान का लाभ दिलाने दिए थे निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने निर्देशों के बाद भी शिक्षकों को समयमान वेतनमान का लाभ ना दिलाने पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण भावना दुबे को निर्देश दिए कि वे शोभापुर गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य अवधेश कुमार बुधोलिया, एक अन्य प्राचार्य नीलेश सोनी तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सोहागपुर आर बी चौधरी की दो-दो इन्क्रीमेंट रोकने एवं उक्त सभी लोगो को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को समय सीमा की बैठक में सभी अधिकारियों को हिदायत दी की वे अनावश्यक रूप से अपने कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका में गलत कमेंट ना करें एवं समयमान वेतनमान का लाभ दिलाने के लिए शेष रह गए कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं अनुमोदन के लिए संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा को प्रेषित करना सुनिश्चित करें एवं अनुमोदन पश्चात उन्हें ऐरियर्स एवं बढे हुए वेतन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का किया निरीक्षण

सिवनी मालवा । कमिश्नर के जी तिवारी सोमवार को सिवनी मालवा पहुंचकर निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जूनियर एवं सीनियर विग के हर कक्ष एवं डाइनिंग हॉल तथा एकेडमिक ब्लॉक का निरीक्षण किया। कमिश्नर श्री तिवारी ने निरीक्षण के दौरान सीएम राइज स्कूल के प्रिंसिपल ए एस राजपूत को सीएम राइज स्कूल के प्रबंधन में एवं चल रहे निर्माण कार्यों के प्रति अनभिज्ञ रहने पर फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि वह स्कूल के प्रबंधन में रुचि लेकर किये जा रहे निर्माण कार्यों का सतत मॉनिटरिंग करें एवं निर्माण कार्यों से अपडेट रहें। कमिश्नर ने निर्माण एजेंसी पीआईयू के ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह सभी कार्य 15 दिवस में पूर्ण कर फरवरी माह में स्कूल हैंडोवर करना सुनिश्चित करें ताकि बच्चों की पढ़ाई नवीन सीएम राइज स्कूल में संपादित कराई जा सके। कमिश्नर ने निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि सभी कक्षाओं का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पेंटिंग एवं पुट्टी भी कंप्लीट है। सभी जगह बिजली फिटिंग भी सुनिश्चित कर दी गई है। टाइल्स एवं खिड़की दरवाजे भी लगा दिए गए हैं। केवल बाउंड्री वॉल में गेट लगाना बाकी है एवं नल कनेक्शन की फिटिंग बाकी है। कमिश्नर ने बाउंड्री वॉल का गेट नल फिटिंग शीघ्र करने के निर्देश दिए। बताया गया कि तीन मंजिला सीएम राइज स्कूल में कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक एवं नर्सरी से कक्षा पांचवी तक की कक्षाएं संचालित की जाएगी। अभी सीएम राइज स्कूल का संचालन पुराने भवन में किया जा रहा है।

कमिश्नर तिवारी ने सभी आहरण संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यालय के बजट का समूचित उपयोग कर लें एवं यदि बजट का उपयोग नहीं हो रहा है तो उसे सरेंडर करने की कार्यवाही करें। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि वे वन ग्रामों में भी जाकर जननी सुरक्षा का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। तत्संबंध में हितगाहियों से आवेदन भी कराएं। कमिश्नर ने कलेक्टर कार्यालय में सभी रिकार्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए और कहा कि वे स्वयं आगामी दिनों में हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम के कलेक्टर कार्यालय का निरीक्षण कर अपडेशन की स्थिति का अवलोकन करेंगे।

कमिश्नर तिवारी ने जिला खनिज अधिकारी को निर्देश दिए कि वे अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवही करने में तेजी लाए। कमिश्नर ने 6 माह से अधिक अवधि के राजस्व प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि कार्य ना करने वाले कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से कारण बताओ नोटिस जारी करें।

मृतक के परिजनों को बीमा कंपनी देगी 91 लाख क्षति पूर्ति

सिवनी मालवा। अतिरिक्त मोटर यान दावा अधिकरण सिवनी मालवा ने मोटर दुर्घटना में मृतक संजय सिधना के परिजनों को बीमा कम्पनी से 91 लाख 28 हजार 508 रुपया छति पूर्ति राशी मृतक के परिजनों, आवेदकगणो को दिये जाने के आदेश का आवार्ड पारित किया है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम मोटर यान दुर्घटना अधिकरण सदस्य श्रीमती तबस्सुम खान ने यह सिवनी मालवा मोटरयान दावा अधिकरण का सबसे बड़े आदेश का अवार्ड पारित किया है। मृतक के परिजनों की और से दावा अधिवक्ता कमल कौशल दावा मोटरयान दुर्घटना अधिकरण में प्रस्तुत किया था। जिसके अनुसार 15 नवम्बर 2022 को संजय सिधना मास्टर होशंगाबाद से सिवनी मालवा अपने घर बाइस से आ रहे थे कि ग्राम रतवाड़ा में नहर के पास एक टवेरा कार के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए संजय सिधना को टक्कर मार दी जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी। मृतक संजय सिधना के परिजनों आवेदको पत्नी, पुत्री, पुत्र, माता, पिता के द्वारा वाहन मालिक। एवं बीमा कंपनी के विरुद्ध अतिरिक्त मोटर यान दुर्घटना दावा अधिकरण के समकक्ष अपना दावा अपने अधिवक्ता कमल कौशल के माध्यम से पेश कराया। प्रथम दावा अधिकरण की सदस्य जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान ने 27 जनवरी 2025 को आदेश का अवार्ड पारित किया। जिसमें मृतक के परिजनों आवेदकगणो को बीमा कंपनी से 91,28,508 रु.क्षतिपूर्ति 6 प्रतिशत की दर से 2 वर्ष का ब्याज 30 दिवस में दिलाये जाने के आदेश का अवार्ड पारित किया है। यह आदेश अवार्ड सिवनी मालवा मोटरयान दावा अधिकरण का सबसे बड़ा क्षतिपूर्ति एवार्ड पारित किया गया है।

जनपद अध्यक्ष ने स्वामित्व योजना के कार्ड का किया वितरण

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत शिवपुर में आयोजित हुए स्वामित्व योजना के तहत प्रॉपर्टी कार्ड वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा वर्चुअल माध्यम से भाग लिया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जिनमें सिवनी मालवा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका मृगेंद्र सिंह मंडलोई ग्राम पंचायत शिवपुर की सरपंच श्रीमती प्रियंका संदेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रॉपर्टी कार्ड वितरण, ग्रामीणों को उनकी संपत्ति पर अधिकार देने का महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें भूमि मालिक का अधिकार सुनिश्चित करता है। यह कार्यक्रम गांवों के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा और स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा।

विभागों द्वारा भेजी गई बूंदी का नहीं हुआ वितरण, अधिकारी बोले कार्रवाई होगी

विशाल रजक तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक में 26 जनवरी के सामूहिक में वितरित होने आई बूंदी में खेल हो गया। यहां कार्यक्रम के दौरान किसी को बूंदी का वितरण नहीं किया गया जबकि सात विभागों ने बूंदी वितरण के लिए भेजी थी। जिसकी शिकायत जनप्रतिनिधियों ने भी दर्ज कराई है अब अधिकारी जांच के बाद कार्रवाई की बात कर रहे हैं। दरअसल कार्यक्रम के पहले हुई बैठक में तय हुआ था कि सामूहिक कार्यक्रम में आने वाले जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग और स्कूली बच्चों को बूंदी का वितरण होना है। इसके लिए आठ विभागों को 50, 50 किलो बूंदी भेजने के निर्देश दिए थे। इनमें से केवल रजिस्ट्रार ऑफिस से बूंदी नहीं भेजी गई बाकी सात विभागों ने बूंदी भेजी थी, लेकिन उस बूंदी का वितरण सामूहिक कार्यक्रम में नहीं हुआ। जिसके बाद उन विभागों में नाराजगी है जिन्होंने प्रसाद वितरण के रूप में पैसे दिए या बूंदी भेजी थी।

जनपद सीईओ मनीष बागरी ने बताया कि शिक़ायत मेरे पास आई थी। मैने जानकारी ली तो पता चला केवल रजिस्ट्रार ऑफिस से बूंदी नहीं आई है। बाकी अन्य विभाग ने पैसा या बूंदी शिक्षा विभाग के पास भेजी है, लेकिन बूंदी सामूहिक कार्यक्रम नहीं वितरित हुई।

जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत की गई है जांच करवाते हैं।

दूसरे दिन रखी स्कूलों में बूंदी देने के लिए आठ विभागों को अधिकृत किया गया था और सभी विभागों को 50,50 किलो बूंदी भेजनी थी, लेकिन वह कहां गई क्योंकि विभाग के अधिकारी बूंदी देने की बात कबूल रहे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग के जिम्मेदार उनकी बातों को नकार रहे है। बाद में जो जिम्मेदार है उनसे पूछा तो उनका कहना है 26 जनवरी के एक दिन पूर्व ही स्कूलों में बूंदी भेजी गई है, लेकिन जब दूसरे स्कूलों में राष्ट्रीय पर्व के बाद बूंदी संबंधी जानकारी ली तो वहां दस से पंद्रह किलो बूंदी के पैकेट रखे थे जिनका तीसरे दिन भी वितरण नहीं किया गया था। स्कूलों से जानकारी लेने पर पता चला कि सीएम राइज स्कूल में पंद्रह से बीस किलो बूंदी आई थी। कन्या हाईसेकेंडरी स्कूल में भी इतनी ही भेजी गई थी।

अस्पताल में स्थापित मशीन का लोकार्पण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

रोटरी क्लब द्वारा सेठा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में स्थापित की गई मशीन का लोकार्पण एक भव्य समारोह में रोटरी मंडल 3040 के मंडलाध्यक्ष अनीश मलिक , पूर्व मंडलाध्यक्ष नरेन्द्र जैन , डीजीएनडी मुकेश साहू , इनरव्हील की चैयरपर्सन श्रीमती मीनाक्षी शर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर अपने उद्धबोधन में मंडलाध्यक्ष अनीश मलिक ने कहा कि नर्मदापुरम जैसे छोटे शहर में रोटरी क्लब द्वारा रियायती दर पर डायलिसिस की सुविधा एक सच्ची जनसेवा की भावना की मिसाल है । पूर्व मंडलाध्यक्ष नरेन्द्र जैन एवम डीजीएनडी मुकेश साहू ने क्लब द्वारा किये गए इस कार्य के लिए साधुबाद दिया । सहायक मंडलाध्यक्ष सत्यम अग्रवाल द्वारा रोटरी क्लब के साथ मिलकर किये इस कार्य के लिए डॉ. अतुल सेठा को साधुवाद दिय। सेठा ने रोटरी क्लब के साथ मिलकर आगे भी बड़े जनसेवा के कार्य में अपने सहयोग का आश्वासन दिया ।क्लब अध्यक्ष शील सोनी द्वारा कहा कि आगे भी क्लब हमेशा समाज सेवा के कार्यो लिए तत्पर रहेगा । कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र गोयल द्वारा किया गया । क्लब सचिव समीर हर्णे द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया ।कार्यक्रम में राकेश फौजदार , पीयूष शर्मा , एसडीओपी पराग सैनी , डॉ. सौम्य रघुवंशी का विशेष आभार व्यक्त किया गया। हॉस्पिटल परिसर में रोटरी क्लब द्वारा निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें 35 मरीजो का परीक्षण कर निशुल्क दवाइया दी गयी।

पुष्कर को पीएचडी अवार्ड

इटारसी। छिंदवाड़ा के चौरई शासकीय महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन मे पदस्थ पुष्कर राज मालवीया को एस वी एन सागर विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया है। डॉ संजय कुमार चौहान, डॉ अजीतेश सिंग बघेल और डॉ आशुतोष गौर के सफल निर्देशन में डॉक्टर का फिलॉसफी की डिग्री अवार्ड हुई है ।पुष्कर राज मालवीया ने एनर्जी ऑप्टिमाइजेशन थ्रू क्लस्टरिंग इन वॉयरलैस सेंसर नेटवर्क शीर्षक पर अपना शोध कार्य पूरा किया है। इटारसी निवासी पुष्कर राज की इस उपलब्धि पर कस्बे चौरई महाविद्यालय के शिक्षकों और इटारसी के स्थानीय निवासियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

मेट्रो एंकर राजा बैठक पर हुआ अनुभूति कैंप का आयोजन, सीसीएफ और डीएफओ ने साझा किये वन प्राणियों ओर पर्यावरण पर अपने विचार

स्कूली छात्राओं ने जंगल का भ्रमण कर जानी जंगली जीवों की कहानी

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

वन विभाग द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम 2024-25 में स्कूल विद्यार्थियों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविरों के संबंध में वन परिक्षेत्र सिवनी मालवा (सामान्य) के अंतर्गत अनुभूति केम्प का आयोजन मंगलवार को मानक पुर स्थान राजा बैठक की मोरन नदी के किनारे पर किया गया। अनुभूति कैम्प में पी.एम.श्री कन्या उचत्तर माध्यमिक विद्यालय सिवनी मालवा के 116 छात्राओं एवं 10 शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया। शिविर में अशोक कुमार (भा.व.से.) मुख्य वनसंरक्षक वनवृत्त नर्मदापुरम्, मयंकसिंह गुर्जर (मा.व.से.) वनमण्डलाधिकारी नर्मदापुरम, अनिल विश्वकर्मा उप वमण्डलाधिकारी सिवनी मालवा एवं ज्ञानसिंह पंवार वन परिक्षेत्र अधिकारी सिवनी मालवा सा.की उपस्थित में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुभूति कैम्प में मास्टर ट्रेनर्स आर के चौरे (सेवा निवृत उप वनमण्डलाधिकारी) आर.एन. मालवीय (सेवा निवृत वन परिक्षेत्र अधिकारी) द्वारा आयोजित शिविर में उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को पक्षी दर्शन, अनुभूति कार्यक्रम के उद्देश्य मै भी बाघ धीम पर जानकारी दी गई। छात्राओं को प्रकृति पथ भ्रमण पर पेड़, पौधों, लताओं औषधीय महत्व के पौधों के औषधीय महत्व के बारे में जानकारी दी गई वनक्षेत्र में भूमि एवं जल संवर्धन हेतु किये गये कार्यों जैसे कंटूर ट्रेंच, चैकडेम

वनो को अग्नि से बचाब हेतु अग्नि लाईन कटाई एवं जलाई के संबंध में जानकारी दी गई। वन विभाग के पदो के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वन विभाग में भर्ती प्रक्रिया की जानकारी दी गई। वनविभाग की कार्यप्रणाली कार्य ओजना की जानकारी दी। वन्यप्राणियों, दीमक, मकडी, तितली, आदि कीटों के प्रगति में महत्व को बतलाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों द्वारा फूड चेन,इको टूरिजम्, मिशन लाईफ, एवं वनविभाग से संबंधित अनेकों महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए छात्राओं को पॉलिथिन का उपयोग नहीं करने एवं कपडे का थैला बनाना सिखाया गया। अनुभूति प्रेरक द्वारा छात्राओं को प्रश्नउत्तीय, चित्रकला एवं पत्ती पहचान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समस्त छात्राओं ओर शिक्षको को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। समूह रूप फोटोग्राफ के पश्चात पर्यावरण सुरक्षा हेतु शपथ दिलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

जनसुनवाई में 116 आवेदन प्राप्त हुए

85 प्रकरण मौके पर ही निपटाए, बाकी के जल्द निपटाने अफसरों के दिए निदेश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा हरेक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको के आवेदनो का निराकरण मौके पर किया जा रहा है। मंगलवार 28 जनवरी को 116 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किए गए थे जिसमें से मौके पर 85 आवेदनो का निराकरण किया गया है। कलेक्टर ने जनआकांक्षा पोर्टल पर लंबित आवेदनों की समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों द्वारा निराकरण के संबंध में की गई पहल की जानकारियां सांझा की गई। कलेक्टेज्ट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यो का भी संपादन किया जा रहा है। आज मंगलवार को 55 आयुष्मान कार्डो के संदर्भ में स्टॉल के माध्यम से कार्य संपादित किया गया है जिसमें मुख्यतः नाम परिवर्तन, नाम, पता परिवर्तन तथा नवीन आयुष्मान कार्ड जारी करने के कार्य किए गए है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत चिकित्सको के द्वारा 85 नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया है जिसमें 65 नागरिकों को रक्तचाप व शुगर की जांच की गई है।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, श्रीमती मोहिनी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटौलिया, जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन के अलावा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे और वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया गया है। कलेक्टर ने लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन और समाधान आन लाइन कार्यक्रम के तहत चिन्हित विषयों के अंतर्गत विभागीय लंबित आवेदनों की पृथक-पृथक समीक्षा की है। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की जारी प्रदेश स्तरीय ग्रेडिंग रैकिंग सूची में विभागवार प्रदेश स्तरीय रैकिंग के संबंध में कहा कि आगामी माह की सूची जारी होने में कोई भी विभाग अण्डर फाइव से नीचे ना रहें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनो के निराकरण हेतु जिले की की जा रही विशेष पहल में और तेजी लाने के निर्देश दिए है। वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समस्त एसडीएमो को निर्देशित किया है कि अनुविभाग स्तरीय कार्यो की समीक्षा कर निदान कराने की कार्यवाही करें। ऐसे विषय व समस्या जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव है वे समस्याएं संबंधित विभाग के जिलाधिकारियों के संज्ञान में अवश्य लाएं ताकि जिला स्तरीय समीक्षा में विभाग के माध्यम से जानकारियां प्रस्तुत की जाएं और जिला स्तर पर निराकरण के लिए क्या संभव है से अवगत करा सकें। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के तहत विभागवार दर्ज आवेदनों की पृथक-पृथक समीक्षा की है। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज सौ दिवसीय आवेदनों व जनवरी माह के आवेदनों के निराकरणों पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रत्येक सप्ताह अधिकारी स्वंय लक्ष्य निर्धारित कर हर दिन के निराकरण की रिपोर्ट जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं। इसी प्रकार समाधान ऑन लाइन कार्यक्रम के चिन्हित विषयो से संबंधित एक भी समस्या लंबित ना रहें पर संबंधित विभाग अनिवार्य रूप से ध्यान दें। कलेक्टर ने जिले में क्रियान्वित योजनाओं व कार्यक्रमो की अद्यतन प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत संबंधित सहरिया जनजाति वर्ग के नागरिको को शत प्रतिशत योजनाओं से लाभांवित कराते हुए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित कराई जानी है इसके लिए विभागीय अधिकारी अपने-अपने चिन्हित कार्यो को संपादित करें। कलेक्टर ने अंतरविभागीय समस्याओं के साथ-साथ जिले में धान, सोयाबीन के उपार्जन कार्यो तथा गेंहू हेतु पंजीयन, शाला निरीक्षण व स्वास्थ्य कार्यो के अलावा रोजगारमुखी कार्यो तथा विभिन्न पोर्टलों पर दर्ज की जाने वाली जानकारियों की समीक्षा की है। लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर द्वारा पीएम जनमन, खाद एवं बीज की आपूर्ति, भण्डारण एवं वितरण, जल मिशन के कार्य, स्वास्थ्य विभाग के कार्य व आयुष्मान पखवाडा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण की स्थिति, खनिज, परिवहन, आबकारी एवं पंजीयन विभाग की राजस्व प्राप्ति और उनके साप्ताहिक निरीक्षण कार्यो की जानकारियां प्राप्त की गई है। बैठक में आंगनबाडी भवनो, एएनसी पंजीयन, सीएम राइज स्कूल भवनो की प्रगति, संजीवनी क्लिनिक, पीएम विश्वकर्मा योजना, सीखो कमाओ योजना, चरनोई भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने, स्वामित्व योजना तथा खाद्य सुरक्षा सेम्पलिंग व पांच वर्ष तक के बच्चो के आधार कार्ड बनाए जाने तथा अवैध कालोनियों पर की जा रही कार्यवाही इत्यादि की भी समीक्षा की गई है।

जनसुनवाई से मिली 6 को अनुकंपा नियुक्तियां, आवेदकों को हुआ आश्चर्य

सिरोंज। विदिशा अनुकंपा नियुक्ति के भटकाव पर जनसुनवाई कार्यक्रम ने पूर्ण विराम लगाया और आवेदकों की समस्याओं का समाधान चंद मिनटों में हो जाएगा, इस प्रक्रिया से आवेदकगण आश्चर्य चकित हो रहे हैं। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम को जनहितैषी स्वरूप देते हुए समस्या-प्रधान आवेदनों के निराकरण की विशेष नवाचारों से आवेदकगण त्वरित लाभान्वित हो रहे हैं। जनसुनवाई में आवेदन देने के फलस्वरुप जनपद पंचायत ग्यारसपुर की ग्राम पंचायत बोरी रामपुर के दिवंगत सचिव स्वर्गीय खिलान सिंह किरार के आश्रित पुत्र भूपेंद्र किरार को निर्धारित शैक्षणिक एवं अन्य अर्हता पूर्ण करने के फलस्वरुप अनुकंपा नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत बासौदा की ग्राम पंचायत थनवाय के दिवंगत सचिव स्वर्गीय राम सिंह पंवार के आश्रित पुत्र पुष्पेंद्र पवार, जनपद पंचायत बासौदा की ग्राम पंचायत काजीकिर्रोदा के दिवंगत सचिव स्वर्गीय मोहन सिंह दांगी की आश्रित पुत्री एकता दांगी, जनपद पंचायत सिरोंज की ग्राम पंचायत बरेज के दिवंगत सचिव स्वर्गीय समंदर सिंह यादव के आश्रित पुत्र महेंद्र सिंह यादव, जनपद पंचायत विदिशा की ग्राम पंचायत पीपरहूंठा के दिवंगत सचिव स्वर्गीय भगवान सिंह राजपूत के आश्रित पुत्र सौरभ राजपूत, जनपद पंचायत बासौदा की ग्राम पंचायत मुटर्रा के दिवंगत सचिव स्वर्गीय विजय सिंह के आश्रित पुत्र राजवीर सिंह इस प्रकार कुल 6 प्रकरणों में निर्धारित शैक्षणिक एवं अन्य अर्हता पूर्ण करने के फलस्वरुप जिले की छह ग्राम पंचायतों में सचिव के पद पर निम्नानुसार शर्तों के अधीन अस्थाई रूप से अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है।

सालों पुराना शाला भवन जर्जर ग्रामीण ने तहसीलदार को नया भवन स्वीकृत कराने सौपा ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। शासकीय प्राथमिक शाला काछीपुरा का भवन बनाने कि लिए गांवों ने तहसीलदार को ज्ञापन देते हुए कहा कि अभी जो बिल्डिंग है वहां लगभग 25 साल पुरानी है यहां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है यहां स्कूल लगाना बंद कर दिया इसके कारण बच्चो की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षा विभाग ने इसकी वजह से पास गांव के स्कूल में बच्चों को पढ़ाई के लिए व्यवस्था की है। इसके चलते बच्चों को यहां जाना पड़ता है। इस वजह इन्हें परेशानियां आती है क्योंकि अधिकतर ग्रामीण खेतों पर रहते हैं तो वहां से बच्चो को जाना दूर पड़ जाता है।

ग्रामीण जनों ने निवेदन किया है की जल्दी ही शाला का नवीन भवन स्वीकृत करवाया जाए,।

इस दौरान किशन लाल कुशवाह मनोज कुशवाह रामबाबू कुशवाह, विजय सिंह, हरिओम, गणेशराम, राम कृष्ण सोनू, गजराज, अरुण सीताराम नारायण सिंह कुशवाह बालाराम बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

टीबी के 24 चिन्हित मरीजों को पोषण आहार के लिए फूड बास्केट वितरण

सिरोंज। 27 दिसंबर से चलाए जा रहे टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत 24 नए मरीज को हॉस्पिटल स्टाफ के सहयोग से फूड बास्केट वितरण कराई गई टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत 27 दिसंबर 2024 से 23 मार्च 2025 तक भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय विशेष निरू क्षय अभियान अभियान चलाया जा रहा है इसके अंतर्गत ग्रामीण स्तर पर और शहरी महीन बस्तियों में विशेष टीवी जांच शिविर आयोजन किया जा रहे हैं इस दौरान विकासखंड में 32 टीवी से संस्कृत नए मरीज चिन्हित किए गए हैं इस दौरान अस्पताल कर्मचारियों के माध्यम से पोस्टिक आहार युक्त फूड बास्केट वितरण किए गए फूड बास्केट का विवरण प्रभारी बीएमओ गोलू जाटव एवम अस्पताल कर्मचारियों द्वारा किया गया।

जनसुनवाई में आधार केंद्र स्थापित होने से नागरिकों को हो रही सहूलियत

सिरोंज। विदिशा जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रति मंगलवार को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए पहुंचने वाले आवेदकों की सुगमता के लिए जनसुनवाई कक्ष के बाहर आधार कार्ड के नवीनीकरण और अपडेशन तथा बायोमेट्रिक अपडेशन के कार्यों का संपादन भी किया जा रहा है। जिसके तहत आज जनसुनवाई में पहुंचे भगत सिंह कॉलोनी निवासी श्री हेमकांत दुबे ने आधार कार्ड में अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराया है। इसके साथ ही रायसेन जिले के ग्राम मेढ़की में निवासरत 18 वर्षीय करीना लोधी ने भी विदिशा जिला मुख्यालय पहुंचकर अपने आधार कार्ड में अपडेट कराया है। जनसुनवाई के साथ-साथ आधार कार्ड अपडेट करने की कार्य प्रणाली की इनके द्वारा प्रशंसा की गई है। उनका कहना है की जनसुनवाई के साथ-साथ एक ही स्थान पर आधार कार्ड के कार्यों से काफी सहूलियत हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई के साथ-साथ आधार कार्ड के अलावा स्वास्थ्य विभाग का स्टाल भी लगाया जाता है ताकि जनसुनवाई में पहुंचने वाले आवेदक अपना स्वयं का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर रोगोपचार हेतु दवाइयां निशुल्क रूप से प्राप्त कर सकें।

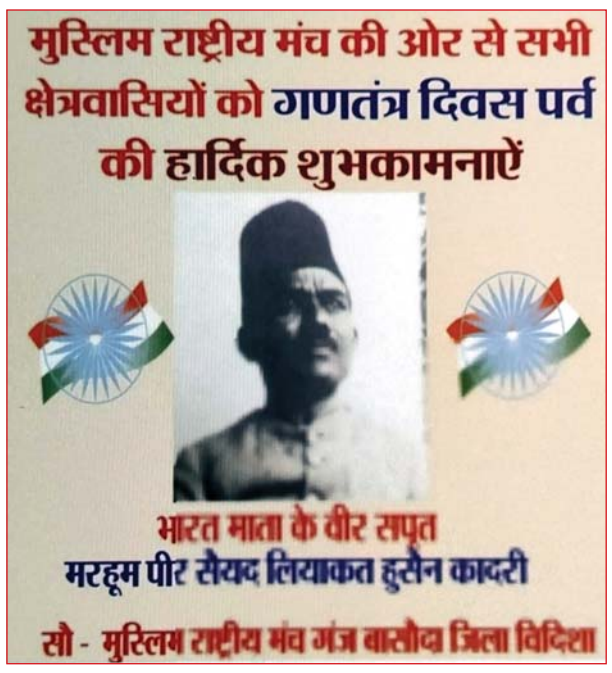

यातायात पुलिस ने निकाली हेलमेट जागरूकता रैली

सिरोंज। पुलिस अधीक्षक रोहित केशवानी के निर्देशन में राष्ट्रीय सडक सुरक्षा अभियान में यातायात जागरूकता कार्यक्रम निरंतर कर रही हैं। इसी तरह सोमवार की रात्रि में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चैबे , एस.डी.ओ.पी सिरोंज उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में शहर में दो पहिया हेलमेट लगाकर सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का संदेश देने के लिए जन जागरुकता रैली का आयोजन किया।

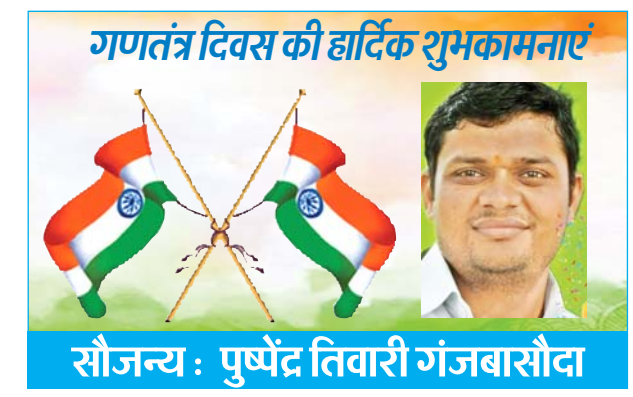

पश्चिम मध्य रेल
खुली नीलामी
क्रमांक - सडिपुका/भो/इंजी/2025-26, दिनांक 14.01.2025
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु नीलामी में सम्मिलित होने के लिये आमंत्रित है। **कार्य का नाम:** सडिपुका/भोपाल - चिन्हित स्थल पर उपलब्ध गैर-राष्ट्रीयकृत प्रजातियों के पेड़ो जैसे- सु-बाबुल, बबूल, नीलगिरी और अन्य के मृत, रोगग्रस्त, गिरे हुए पेड़ो की छटाई, कटाई, सफाई एवं निष्पादन संबंध में। **अनुमानित मात्रा:** 350 मेट्रिक टन। **नीलामी की न्यूनतम दर:** ₹ 116/- प्रति क्विंटल (केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लागू सभी कर छोडकर)। **धरोहर राशि:** ₹ 20,300/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **नीलामी की तारीख एवं समय:** दिनांक 13 फरवरी 2025, समय – 11.00 बजे। नीलामी के बारे में विस्तृत जानकारी, मुख्य कारखाना प्रबन्धक कार्यालय, भोपाल के सूचना – पटल पर उपलब्ध है।
कृते मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डब्बा पुनःनिर्माण कारखाना, भोपाल.
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

इंग्लैंड ने राजकोट में खेले गए तीसरे टी-20 में भारत को 26 रन से हराया

मैं खुद को और बेहतर करूंगा, नतीजों की जिम्मेदारी हमें लेनी होगी : चक्रवर्ती

राजकोट, एजेंसी

इंग्लैंड ने राजकोट में खेले गए तीसरे टी-20 में भारत को 26 रन से हरा दिया। बेन डकेट की फिफ्टी के चलते इंग्लैंड ने 171 रन बनाए। वरुण चक्रवर्ती ने 5 विकेट लिए। आदिल रशीद के इकोनॉमिकल स्पेल के चलते भारतीय टीम 145/9 रन ही बना सकी। मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच वरुण ने कहा, मैंने अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन देश के लिए खेलते समय आपको नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी होती है। इंग्लिश कप्तान जोस बटलर बोले, रशीद ने कमाल की गेंदबाजी की, वे हमारे टीम के महत्वपूर्ण खिला?ी हैं। वहीं, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव बोले, हमारी बैटिंग में ओस आती तो बेहतर रहता।

मैंने बेस्ट बॉलिंग की- वरुण मैच में अपने टी-20 करियर का दूसरा फाइव विकेट हॉल लेने वाले प्लेयर ऑफ द मैच वरुण ने कहा, हम दुःखी हैं कि यह मैच नहीं जीत सके, लेकिन यह खेल का नेचर है। जब आप देश के लिए खेल रहे हों, तो आपको जवाबदेही लेनी होती है। लगातार 4 ओवर फेंकने के बार में पूछ जाने पर वरुण ने कहा, कई बार सूर्या मुझे लगातार चार ओवर का स्पेल डलवाते हैं। मुझे जो भी काम दिया जाता है, मैं उसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहता हूं। इस स्टेज पर मैंने बेस्ट गेंदबाजी की है, लेकिन मैं अपने आप को और बेहतर करता रहूंगा।

बैटर्स को स्पीड नहीं देना चाह रहा था- रशीद तिलक वर्मा के विकेट पर आदिल रशीद ने कहा, मैंने अच्छी गेंदबाजी की। जो बॉल मैंने तिलक को फेंकी थी, वह गेंद पिच से अंदर की तरफ घूम गई। जैसे-जैसे आप खेलते हैं, आपका एक्सपीरिएंस ब?ता जाता है। मैच में पिच मेरे पक्ष में गई। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो पिच काफी धीमी लग रही थी। स्पिन गेंदबाजी में यह देखना होता है कि पिच कैसा बिहेव कर रही है। आपका तेज फेंकना काम कर रहा है या धीरे फेंकना, इसकी समझ जरूरी है। मैंने शुरुआत के दोनों ओवर में धीमी गति से गेंदबाजी की, जिसका नतीजा मुझे तिलक के विकेट के रूप में मिल गया।

आर्चर एक सुपरस्टार हैं- जोस बटलर जोस बटलर ने कहा, हमने शानदार गेंदबाजी की। आदिल रशीद टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, उनके पास वेरिएशन हैं। हम सौभाग्यशाली हैं कि वे हमारी टीम में हैं। जोफ्रा आर्चर के बारे में जोस ने कहा, उनके बारे में ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं। वे एक सुपर स्टार हैं। अगर जोफ्रा किसी मैच में 60 रन देते हैं, तो हमें पता है कि वे अच्छी वापसी करेंगे। बेन डकेट एक शानदार ओपनर हैं। उन्होंने स्टिकी पिच पर अच्छी बैटिंग की। हमने 172 रन का टारगेट दिया और पावरप्ले में भारत के जरूरी विकेट भी ले लिए।

मुझे ओस आने की उम्मीद थी- सूर्यकुमार यादव सूर्या ने कहा, मुझे लगा था कि थोड़ी ओस होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हार्दिक-अक्षर जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब हमें 24 बॉल में 55 रन की जरूरत थी, फिर भी लगा कि गेम हमारे हाथ में है। आदिल राशिद ने शानदार गेंदबाजी की। हम स्ट्राइक रोटेट करना चाहते थे, लेकिन रशीद वर्ल्ड क्लास बॉलर हैं, उन्होंने हमें रोक दिया। हम हमेशा टी-20 मैच से सीखते हैं, 8 विकेट पर 127 रन से 170 रन बनवा देना बहुत ज्यादा था। बल्लेबाजी में भी हमें कुछ चीजें सीखनी हैं। मोहम्मद शमी के सवाल पर सूर्या ने कहा, उन्हें बॉलिंग करते हुए देखकर अच्छा लगा। वरुण ने शानदार गेंदबाजी की। वे नेट्स में बहुत मेहनत कर रहे हैं। वरुण एक ही लाइन में गेंदबाजी करते हैं, इसीलिए उन्हें ज्यादा विकेट मिलते हैं।

563वीं बार मैच में 30 अंक जुटाए

लेब्रोन ने तोड़ा एनबीए में माइकल जॉर्डन का रेकॉर्ड

लॉस एंजिलिस. एजेंसी

एनबीए के स्टार बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रोन जेम्स 40 साल की उम्र में एक के बाद एक रेकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं। अब उन्होंने बास्केटबॉल के महान खिलाड़ी माइकल जॉर्डन का रेकॉर्ड तोड़ा है। लॉस एंजिलिस के लिए खेलते हुए जेम्स ने अटलांटा हॉक्स के खिलाफ 30 से ज्यादा अंक जुटाए। इसके साथ ही उन्होंने एनबीए इतिहास में 563वीं बार एक मैच में 30 से ज्यादा अंक जुटाए हैं। जेम्स के शानदार प्रदर्शन से लॉस एंजिलिस लेकर्स ने यह मुकाबला 119-102 से जीता।

हेनरी-यंग ने न्यूजीलैंड को दिलाई जीत

वेलिंगटन. मैट हेनरी (19 पर 4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विल यंग (नाबाद 90) की बेहतरीन पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने रविवार को पहले वनडे मैच में श्रीलंका को नौ विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम 43.4 ओवर में 178 रन पर ढेर हो गई। जवाब में न्यूजीलैंड ने 26.2 ओवर में एक विकेट पर 180 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। रचिन रविंद्र ने 45 रन बनाए।

दूसरा टेस्ट: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 194 रन पर ऑलआउट

केप टाउन. एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में पाकिस्तान को 194 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर कर दिया। केगिसो रबाडा ने तीन विकेट चटकाए। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 615 रन का स्कोर बनाया था।

शान मसूद और बाबर का संघर्ष: पाकिस्तान ने दूसरी पारी में जोरदार प्रदर्शन किया। कप्तान शान मसदू के शतक और बाबर आजम (81 रन) के अर्धशतक से पाक टीम ने स्टंप्स तक एक विकेट पर 213 रन बना लिए थे। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 205 रन जोड़े। शान 14 चौकों के साथ 102 रन बनाकर डटे हुए थे।

कैपिटल्स ने सुपर किंग्स को 6 विकेट से हराया, टीम की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें कायम, प्रिटोरियस ने 3 विकेट लिए

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने एसए20 के इस सीजन के 24वें मैच में जोबर्ग सुपर किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मुकाबले में जीत से कैपिटल्स की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें कायम हैं। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 99 रन बनाए। 100 रन के टारगेट को कैपिटल्स ने 12 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। प्रिटोरिया कैपिटल्स की तरफ से मिगेल प्रिटोरियस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के बाद प्रिटोरिया कैपिटल्स 8 मैचों में 14 पॉइंट्स के साथ 5वें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, सुपर किंग्स इतने ही मैचों में 15 अंक के साथ चौथे नंबर पर है। प्रिटोरियस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए पहले बल्लेबाजी करने उतरी सुपर किंग्स की पारी शुरुआत से ही खराब रही। टीम के अभी 16 रन हुए थे कि तभी ओपनर डेवोन कॉन्वे को रिटायर्ड हर्ट हो गए। वहीं कप्तान फाफ प्लेसिस ज्यादा देर नहीं टिके और 13 गेंदों में 14 रन बनाकर चौथे ओवर में आउट हो गए। विहान लुबे सिर्फ 3 रन बनाए। कॉन्वे दोबारा बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल पाए।

मेट्रो बाजार

महिंद्रा सपोर्टेड रिटेल स्टार्टअप का आ रहा आईपीओ, कर रही तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी

महिंद्रा समूह से समर्थन प्राप्त यह वेंचर चिल्ड्रेनकेयर एंड चिल्ड्रेनवेयर कैटेगरी का काफी लोकप्रिय ब्रांड बन चुका है. अब इसका आईपीओ लाने की तैयारी चल रही है। महिंद्रा समूह के समर्थन वाले फेमस ओम्नीचैनल रिटेल वेंचर फर्स्ट्क्राई का जल्द ही आईपीओ आ सकता है. चिल्ड्रेनकेयर एंड चिल्ड्रेनवेयर कैटेगरी के सबसे लोकप्रिय रिटेल ब्रांड में से एक फर्स्ट्क्राई ने आईपीओ के लिए तैयारियां शुरू कर दी है और आने वाले दिनों में कंपनी बाजार नियामक सेबी के पास अपने आईपीओ का ड्राफ्ट सबमिट कर सकती है. खबरों में ऐसा दावा किया जा रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, फर्स्ट्क्राई जल्दी ही आईपीओ का ड्राफ्ट यानी डीआरएचपी फाइल करने की तैयारी में है. कंपनी ने इससे पहले भी आईपीओ लाने की तैयारियां की थीं, लेकिन बाजार की उथल-पुथल को देखते हुए उसने आईपीओ के फैसले को टाल दिया था. कंपनी पिछले साल ही आईपीओ लाना चाह रही थी, लेकिन उस समय बाजार काफी वोलेटाइल था. रिपोर्ट के अनुसार, फर्स्ट्क्राई आईपीओ के जरिए बाजार से 500-600 मिलियन डॉलर तक जुटाने का प्रयास कर सकती है.

अभी कंपनी की अनुमानित वैल्यू के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है, लेकिन मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि आईपीओ के समय कंपनी की वैल्यू 4 बिलियन डॉलर के आस-पास रखी जा सकती है. इसी महीने ड्राफ्ट फाइल होने की उम्मीद ज्यादा है। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से रिटेल बिजनेस में मौजूद कंपनी फर्स्ट्कंपनी अगले सप्ताह तक आईपीओ का ड्राफ्ट जमा कर सकती है. ईटी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि आईपीओ का डीआरएचपी सेबी के पास जमा हो सकता है, जबकि कंपनी अपना आईपीओ अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव के बाद लेकर आएगी.

अगले महीने नई कार लांच करेगी टाटा

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स अगले महीने फरवरी के आखिरी हफ्ते में पंच ईवी लॉन्च कर सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के यह जानकारी दी है। हालांकि, कंपनी ने अभी तक ऑफिशियल रुप से कोई भी जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट के अनुसार पंच ईवी देश की सबसे सस्ती फुली इलेक्ट्रिक एसयूवी हो सकती है। यह सिट्रोएन को टक्कर देगी, जिसकी कीमत 11.61 लाख से शुरू होकर 12.79 लाख तक जाती है। दोनों कीमतें एक्स-शोरूम की हैं। टाटा पंच स्पेसिफिकेशन्स के बारे में अभी कोई भी जानकारी अवेलेबल नहीं है। उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी इसमें बड़ी बैटरी दे सकती है। फुल चार्ज होने पर पंच ईवी की बैटरी 350 किलोमीटर का रेंज दे सकती है। आईसीई पंच के मुकाबले ईवी में मिल सकते हैं ज्यादा फीचर्स मीडिया रिपोर्ट की माने तो कंपनी ढ्ढष्टश्व पंच के मुकाबले पंच श्वङ्क में ज्यादा फीचर्स दे सकती है, जिसमें एलईडी हेडलाइट्स, ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक, टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, स्पोक स्टीयरिंग व्हील सहित अन्य शामिल हो सकते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फैशन मैगजीन से सिनेमा में तक एक्ट्रेस, 16 साल पहले ऑफर हुआ था मां का रोल

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स हैं, जिनका सपना तो एक्टर बनने का था, लेकिन अपने करियर की शुरूआत वह सीधे एक्टिंग के जरिए नहीं कर पाए. कोई इंजीनियर बनने के बाद एक्टर बन गया, तो किसी ने हीरो बनने के लिए इंजीनियरिंग छोड़ दी. कोई सरकारी नौकरी छोड़कर एक्टर बना, किसी ने फैशन मैगजीन में काम करने के बाद मॉडलिंग शुरू की और एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा. जिस एक्ट्रेस की आज हम बात करने जा रहे हैं. उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने के लिए काफी स्ट्रगल किया है. अपनी बेबाकी के लिए पहचाने जाने वाली ये एक्ट्रेस 'भोली पंजाबन' के नाम से फैंस के बीच में जानी जाती है. अब तो आप समझ ही गए होंगे बात कर रहे हैं ऋचा चड्ढा की, जिनको गैंग्स ऑफ वासेपुर, मसान और लव सोनिया जैसी फिल्मों के लिए क्रिटिक्स की खूब सराहना मिली थी. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड में आने से पहले ऋचा एक मैगजीन में काम करती थीं. ऋचा की पूरी पढ़ाई-लिखाई और परवरिश दिल्ली में ही हुई. ऋचा को फैशन मैगजीन में पहली इंटर्नशिप मिली, जिसके बाद वह इस फील्ड में करियर बनाने के बारे में सोचने लगा. लेकिन काम के साथ मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में भी उनका इंटरस्ट जागने लगा. शानदार पर्सनैलिटी शुरू से रही इसलिए उनको मॉडलिंग के भी ऑफर मिलने और फिर वो जल्द ही वो मॉडलिंग के क्षेत्र में पॉपुलर हो गईं. फैशन मैगजीन के लिए उनको एक बार एक्टर अभय देओल का इंटरव्यू करने के लिए कहा गया. अभय देओल तक किसी तरह कॉन्टेक्ट किया, लेकिन उन्होंने इंटरव्यू देने से मना कर दिया. अब इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस एक्टर ने इंटरव्यू के लिए मना कर दिया था ऋचा ने उसी के साथ फिल्म ओए लक्की लक्की ओए से डेब्यू किया. एक इंटरव्यू के दौरान ऋचा चड्ढा ने बताया था कि कैसे उन्हें एक फिल्म में ऋतिक रोशन की मां का रोल ऑफर हुआ था. यह रोल ऋचा को तब ऑफर हुआ था जब वह केवल 33 साल की थीं और वह उनसे बड़े थे. मल्टी टैलेंटेड एक्ट्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे यह उन कलाकारों के साथ अन्याय है, जो ज्यादा उम्र के हैं और जिनके पास पहले से ही सीमित मौके हैं. जब ऋचा से पूछा गया था कि क्या उन्हें कास्टिंग डायरेक्टर पर गुस्सा आता है तो उन्होंने जवाब दिया कि असल में वह परेशान थीं, क्योंकि वह उस समय 21 साल की थीं. हालांकि किसी ने कास्टिंग डायरेक्टर को यह बताया था कि वह बड़ी उम्र की महिलाओं का रोल असरदार तरीके से करती हैं. इसलिए बिना ज्यादा सोचे-समझे उन्होंने उन्हें यह रोल ऑफर कर दिया.

सालार के डायरेक्टर बोले- बड़े स्टार्स को फ्लॉप फिल्मों से फर्क नहीं पड़ता

स्टार हमेशा स्टार ही रहता है। कुछ फिल्मों के फ्लॉप होने पर उसका स्टारडम नहीं गिरता। यह कहना है, प्रभास की फिल्म सालार के डायरेक्टर प्रशांत नील का। प्रशांत ने कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि प्रभास की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट गई हैं। उन्हें बस एक हिट फिल्म की जरूरत है। बाहुबली में उन्होंने जो काम किया है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। प्रशांत नील ने शाहरुख खान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि शाहरुख की भी पिछली फिल्में फेल हो रही थीं। लेकिन इस साल उन्होंने वापसी करके दिखा दिया है कि वो कितने बड़े स्टार हैं। प्रशांत ने यहां शाहरुख की तारीफ की है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म के साथ टक्कर लेने जा रहे हैं। शाहरुख की फिल्म डंकी कल यानी 21 दिसंबर को रिलीज हो रही है। वहीं सालार 22 दिसंबर को पैन इंडिया रिलीज होगी। दोनों फिल्मों की टक्कर को महाक्लैश की तरह देखा जा रहा है। प्रशांत नील ने कहा- प्रभास बड़े स्टार हैं। बाहुबली के बाद वो सबसे बड़े स्टार हो गए। लोग शायद इस फिल्म को कभी नहीं भूल पाएंगे। वो चाहे एक फ्लॉप दें या 20, उन्हें बस एक हिट की जरूरत है। प्रभास की पिछली फिल्म आदिपुरुष 600 करोड़ में बनी थी। हालांकि फिल्म डिजास्टर साबित हुई थी। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ कमाने के लाले पड़े थे। इसके अलावा फिल्म राधेश्याम भी बुरी तरह पिटी थी। ऐसे में सालार प्रभास के करियर की सबसे अहम फिल्म होने वाली है। प्रशांत नील ने डंकी के साथ क्लैश पर भी बात की। उन्होंने कहा- फिल्म कितना कमाएगी। फिल्म का बिजनेस कितना होगा। इन सब चीजों में मैं फंसना नहीं चाहता। मुझे फिल्म बनाने के लिए एक पर्टिकुलर अमाउंट मिलता है। मेरा काम उस पर्टिकुलर अमाउंट में फिल्म को रेडी कर सही समय पर रिलीज करना है। प्रशांत ने यहां राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उनके दिल में दोनों के लिए बहुत ज्यादा रिस्पेक्ट है।

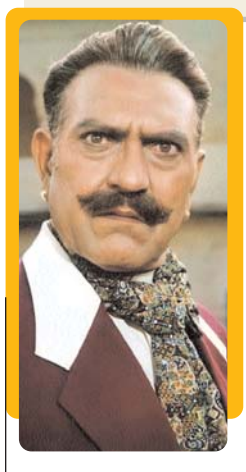

अमरीश पुरी को देखते ही कांपने लगता था डायरेक्टर, सेट पर आते ही छूते थे पैर

दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी का जब भी नाम आता है, एक खूंखार-खतरनाक विलेन की छवि लोगों के मन में आ जाती है. जो अक्सर हीरो-हीरोइन के लिए मुश्किल बना रहता है. रील लाइफ में तो अमरीश पुरी ने दर्शकों को खूब डराया, लेकिन बॉलीवुड के एक डायरेक्टर-प्रोड्यूसर ऐसे हैं जो रियल लाइफ में भी अमरीश पुरी से खूब डरते थे और इसका खुलासा खुद इस डायरेक्टर ने किया है. हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर करण जौहर की. स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' को होस्ट करने वाले बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने शेयर किया कि आइकोनिक फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में काम करने के दौरान वह दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी से डरते थे. करण जौहर ने शाहरुख खान और काजोल स्टारर 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था, और वह अमरीश पुरी से डर रहे थे क्योंकि वह सीन्स की डिटेलिंग के बारे में बहुत खास थे. स्ट्रीमिंग शो के अपकमिंग एपिसोड में बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन और निर्देशक रोहित शेट्टी नजर आएंगे. एपिसोड के दौरान, करण ने पुराने दिनों को याद किया और कहा मुझे आपको बताना होगा, मेरे पिता और अमरीश जी एक ही गांव से आते हैं, इसलिए मेरे पिता ने सबसे पहले मुझे बताया कि मुझे किसके पैर छूने हैं, वह अमरीश जी के थे. अजय देवगन ने कहा, एकमात्र व्यक्ति जिसके मैंने पैर छुए हैं, वह अमरीश जी हैं क्योंकि मैंने उनके साथ जो पहला शॉट लिया था, उसमें मैंने उनके पैर छुए थे.

आज बीटिंग रिट्रीट, पुलिस बैंड बिखेरेगा नई-पुरानी धुनें

भोपाल। मध्य प्रदेश में गणतंत्र दिवस समारोह का समापन आज 29 जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट समारोह के साथ होगा। समारोह का आयोजन राज्यपाल मंगूभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में शाम साढ़े 4 बजे जहांगीराबाद, लाल परेड मैदान में किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में मंगलवार शाम बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल की गई। मुख्य अतिथि की भूमिका 7वीं वाहिनी के प्रधान आरक्षक रामचंद्र कुशवाह ने निभाई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसएएफ राकेश गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक एसएएफ इरशाद वली, पुलिस महानिरीक्षक मध्य क्षेत्र एसएएफ कृष्णवेणी देसावतु, सेनानी 7वीं वाहिनी हितेश चौधरी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

ब्रास बैंड और पाइप बैंड का होगा प्रदर्शन

बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम में पुलिस बैंड के द्वारा कॉन्सर्ट, ब्रास बैंड और पाइप बैंड द्वारा संगीतमय और मनोहारी प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत बुधवार 29 जनवरी को शाम साढ़े 2 बजे राज्यपाल मंगूभाई पटेल के आगमन के साथ होगी। फिर पुलिस ब्रास बैंड द्वारा हिन्दी व अंग्रेजी क्लासिकल धुनों के साथ ही नई एवं पुराने हिन्दी फिल्मों के गानों की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। पुलिस बैंड द्वारा मार्चपास्ट करते हुए बैंडवार व सामूहिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। बैंड प्रदर्शन उपरांत गार्ड द्वारा ध्वजारोहण की कार्यवाही उपरांत पिस्टल/एलएमजी फायर, रंगीन लाईटिंग, आतिशबाजी आकर्षण का केन्द्र होगी।

कई दिन से रेलवे अस्पताल में चल रहा दवाओं का टोटा

भोपाल। डब्ल्यूसीआर के भोपाल मण्डल के रेलवे हॉस्पिटल मे बीते 20 दिन से घुटनों के दर्द व खांसी के सिरफ नहीं है। इसके चलते रिटायर्ड रेलकर्मी और अन्य मरीज परेशान हो रहे हैं। सीएमओ को शिकायत करने के बावजूद भी इस समस्या को हल करने की सूरत नहीं नजर आ रही है। हालांकि उनका दावा है कि कंपनी से दवाइयों की खेप रवाना हो चुकी है। हालांकि यह बात भी सात दिन पुरानी बताई जा रही है। मगर आज तक दवा के नहीं पहुंचने पर प्रबंधन सही जवाब देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में फिलहाल मौसमी बीमारियों से लोग काफी परेशान हैं।

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भैंसाखेड़ी गांव में आत्महत्या, पुलिस जांच करने में जुटी

दूध लेने घर से निकली महिला का शव खंडहर में फंदे पर लटका मिला

फांसी लगाकर आत्महत्या करने का अनुमान, मधुमेह से ग्रस्त थीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित भैंसाखेड़ी गांव में 53 साल की महिला ने अपने घर के बाजू वाले खंडहर पड़े मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह सोमवार शाम दूध लेने के लिए घर से निकली थीं। लेकिन जब काफी देर बाद भी जब लौटी नहीं तो खोजबीन शुरू हुई। करीब एक घंटे बाद पड़ोस में खंहडर में महिला का शव रस्सी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों का कहना है कि मधुमेह की बीमारी की वजह से अक्सर उन्हें चक्कर आते थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक भैंसाखेड़ी, खजूरी सड़क निवासी जमनी जाटव पत्नी बलराम जाटव (53) गृहणी थीं। पति बलराम नगर निगम में माली का काम करते हैं। उनके दो बेटे हैं। बड़े बेटे की शादी हो चुकी है। सोमवार 27 जनवरी की शाम घर में छोटा बेटा व बड़े बेटे के बच्चे थे। बड़ा बेटा व बहू काम पर गए थे जबकि पति बलराम भी रोजाना की तरह सुबह ही काम पर चले गए थे। करीब पौने पांच बजे जमनी जाटव ने अपने छोटे बेटे से कहा कि मैं दूध लेने जा रही हूं। उसके बाद वह लौटी नहीं। शाम करीब साढ़े पांच बजे बलराम घर लौटे तो उन्होंने अपने बेटे से पत्नी के बारे में पूछा। तब उसने बताया कि मां दूध लेने गई है।

चक्कर आने के बाद बेहोश हो जाती थीं

प्रारंभिक जांच और परिजनों से बातचीत के बाद पुलिस इस मामले को आत्महत्या मानकर चल रही है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मधुमेह की बीमारी से ग्रस्त होने के कारण जमनी जाटव को अक्सर चक्कर आते रहते थे। कई बार चक्कर आने के बाद वह बेहोश हो जाती थीं। उनका इलाज चल रहा था। बीमारी के कारण वह डिप्रेशन में आ गई थीं।

जमीन पर टिके थे पांव

बलराम दूध डेयरी पर गए तो वहां पता चला कि जमनी दूध लेने आई ही नहीं। नजीतन परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू कर दी। करीब पौने छह बजे जमनी जाटव का शव पड़ोस के खंडहर मकान में रस्सी के फंदे पर लटका मिला। पति ने पुलिस को बताया कि जब वह खंडहर में पहुंचे तो बल्ली से बंधी रस्सी से जमनी को फंदे पर लटके देखा। उसके पैर जमीन पर टिके हुए थे। परिजनमहिला को चिरायु अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी।

हमीदिया में मरीजों को खाना बांटते समय कर्मचारी की मौत

भोपाल। हमीदिया अस्पताल परिसर में मरीजों को खाने बांटते समय कर्मचारी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह अचानक गश खाकर जमीन पर जा गिरा। आसपास के लोग उसे तत्काल डॉक्टर के पास लेकर गए लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों को हार्ट अटैक से मौत होने का अनुमान जताया है। कोहेफिजा पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक तलैया इलाके में रहने वाला लक्की मालवीय पुत्र अशोक मालवीय (27) हमीदिया अस्पताल में हाउस कीपिंग और मरीजों को खाना बांटने का काम करता था। सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे लक्की अस्पताल के ए-ब्लॉक की तीसरी मंजिल पर मरीजों को खाना बांट रहा था। तभी अचानक वह गश खाकर गिर गया। आसपास के लोग उसे तत्काल डॉक्टर के पास ले गए, जहां चैक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनुमान लगाया जा रहा है कि लक्की की हार्ट अटैक के कारण मौत हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल पाएगा। सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेटे की प्रताड़ना और मारपीट से तंग आकर पिता ने लगा ली थी फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित सांईराम कॉलोनी में राजश्री फैक्ट्री के पूर्व कर्मचारी की फांसी लगाकर आत्महत्या के मामले में पुलिस ने जांच के बाद छोटे बेटे के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी बेटे की प्रताडना व मारपीट से तंग आकर ही पिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।

पुलिस के मुताबिक सांईराम कॉलोनी सेमरा निवासी प्रताप सिंह दांगी (52) राजश्री फैक्ट्री में नौकरी करते थे। लेकिन करीब एक साल से वह काम पर नहीं जा रहे थे। परिवार में पत्नी, दो बेटे व बड़ी बहू साथ रहती है। उनके छोटे बेटे विक्रम उर्फ विक्की दांगी (28) की दिमागी हालत पूरी तरह से ठीक नहीं थी। विक्रम अक्सर उग्र हो जाता था इसलिए प्रताप सिंह उसे परिवार से दूर रखते थे। उन्होंने कॉलोनी में एक मकान किराए पर ले लिया था ताकि विक्रम को वहां रख सकें।

विगत 10 जनवरी को खाना खाने के बाद वह विक्रम को किराए के मकान पर ले गए थे। वहां प्रताप दांगी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी।

17 दिन चली जांच के बाद बेटे पर प्रकरण दर्ज

करता था परेशान

करीब 17 दिन चली जांच के बाद पुलिस ने मृतक के छोटे बेटे विक्रम सिंह दांगी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। एसआई कुंजबिहारी ने बताया कि आरोपी विक्रम सिंह पैसे नहीं देने पर पिता के साथ गाली-गलौज व मारपीट करता था। दुखी पिता परिवार के सदस्यों से कई बार कह चुके थे कि वह आत्महत्या कर लेंगे। अपने बेटे की प्रताड़ना से तंग आकर ही प्रताप सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी।

फर्जी मुख्तारनामा से 4 लाख रु. में बेचा छोटे भाई का फ्लैट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फर्जी मुख्तारनामा तैयार कर एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई का फ्लैट किराना व्यापारी को तीन लाख 90 हजार रुपए में बेच दिया। फ्लैट का विक्रय अनुबंध करीब 19 साल पहले हुआ था। जालसाजी का खुलासा पिछले दिनों उस समय हुआ जब किराना व्यापारी फ्लैट के रजिस्ट्रेशन के लिए पंजीयन कार्यालय पहुंचे। वहां पता चला कि उन्हें फ्लैट फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी तैयार कर बेचा गया है। इस जालसाजी में दोनों भाई शामिल हैं। लिहाजा टीटी नगर पुलिस ने आवेदन जांच के बाद आरोपी भाइयों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

पुलिस के मुताबिक शास्त्री नगर जवाहर चौक निवासी गजाधर राठौर (50) किराना व्यापारी हैं। जुलाई 2005 में उन्होंने उत्तमचंद का फ्लैट तीन लाख 90 हजार रुपए में खरीदा था। उत्तमचंद के बड़े भाई सच्चानंद ने अपने भाई के दिए मुख्तारनामा के आधार पर फ्लैट बेचा था। इस मामले में विक्रय अनुबंध पत्र तो तैयार किया गया था लेकिन फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं की गई थी। करीब 16 साल से गजाधर राठौर उक्त फ्लैट में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। एसआई अकल सिंह ने बताया कि पिछले दिनों फरियादी को पंजीयन कार्यालय से पता चला कि फर्जी मुख्तारनामा तैयार कर सच्चानंद ने उन्हें फ्लैट बेचा था। इस जालसाजी की जानकारी फ्लैट के असल मालिक उत्तमचंद को भी थी। फरियादी गजाधर राठौर ने शिकायती आवेदन टीटी नगर पुलिस को दिया था। जांच के बाद पुलिस ने गजाधर की शिकायत पर सच्चानंद व उत्तमचंद के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जालसाजी करने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

लोहे से लदा ट्रक ऑटो रिक्शा पर पलटा, चार की मौत

तेलंगाना में हादसा, भोपाल का है परिवार

भोपाल। गत दिवस तेलंगाना के वारंगल में हुए सड़क हादसे में राजधानी के कोलार इलाके के एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इनमें पिता पुत्र व दो पुत्री शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक वारंगल में परिवार ऑटो से कहीं जा रहा था। उसी समय लोहे से भरा ट्रक ऑटो पर पलट गया। मंगलवार को मृतकों के शव भोपाल पहुंचे। यहां सभी का अंतिम संस्कार हुआ। हादसे में एक महिला घायल हुई है, जिसे प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है परिवार मजदूरी के लिए तेलंगाना पहुंचा था। पुलिस के अनुसार करने वालों में संतोष (49), संतोष का 15 साल का बेटा कान्हा, बेटी पूजा (19) और बेटी किरण (17) शामिल हैं। यह सभी कोलार स्थित नयापुरा गरीब नगर के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक तेलंगाना से जानकारी आ चुकी है। बताया जा रहा है पूरा परिवार मजदूरी के लिए तेलंगाना गया था। घायल महिला की स्थिति अभी ठीक नहीं है। उसकी हालत सुधरने के बाद घटनाक्रम की जानकारी ली जाएगी। इधर पुलिस के मुताबिक घायल महिला को पता भी नहीं है कि उसके पति और तीनों बच्चे अब इस दुनिया में नहीं है। आर्थिक रूप से परिवार के पास कुछ भी नहीं है। ऐसे में एक समिति के द्वारा परिवार के चार सदस्यों का अंतिम संस्कार कराया गया।

मेट्रो एंकर कैरम खेलने से मना किया था, दिल्ली जाने वाली ट्रेन में हो गया था सवार

चाचा ने डांटा तो दिल्ली भागा नाबालिग, परिजनों के हवाले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर इलाके से सोमवार दोपहर लापता हुए 12 साल के स्कूली छात्र को पुलिस ने मंगलवार सुबह दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से दस्तयाब किया है। चाचा की फटकार से नाराज होकर छात्र घर से बिना बताए भाग गया था।

घर से वह सीधे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचा और दिल्ली जाने वाली ट्रेन में सवार हो गया। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस ने बालक को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के हवाले कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक शिवाजी नगर इलाके में रहने वाला 12 साल का अंश चौहान (परिवर्तित नाम) सातवीं कक्षा का छात्र है। वह यहां चाचा-चाची के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा है। माता-पिता मूलरूप से खंडवा जिले के रहने वाले हैं और पिता दिल्ली में ड्रायवरी करते हैं। थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि सोमवार को बालक कैरम खेलने जाने की जिद कर रहा था। चाचा ने फटकार लगा दी कि पढ़ाई में मन लगाओ। गुस्से में आकर अंश चौहान सोमवार दोपहर बिना बताए घर से निकल गया। कुछ देर यहां-वहां घूमने के बाद वह रानी कमलापति स्टेशन पहुंच गया और रात को दिल्ली जाने वाली भोपाल एक्सप्रेस में सवार हो गया। इस बीच बालक के लापता होने की सूचना चाचा ने हबीबगंज थाने जाकर पुलिस को दी।

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर बालक की खोजबीन शुरू कर दी। घर व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। रूट मेप तैयार किया गया। फुटेज के आधार पर बालक रानी कमलापति स्टेशन जाता दिखाई दिया। स्टेशन पर लगे कैमरों के फुटेज में वह भोपाल एक्सप्रेस में सवार होता नजर आया। लिहाजा पुलिस की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना की गई और वहां स्टेशन के पास से लापता अंश चौहान को दस्तयाब कर लिया गया। अंश ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह दिल्ली में रहने वाले अपने पिता से मिलने गया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022